दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, गुरूवार 22 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-दशमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-74 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पिछले साल की तरह इस बार भी कोरोना का सबसे ज्यादा कहर प्रवासी मजदूरों पर टूट रहा है। महाराष्ट्र और नई दिल्ली की सरकारों ने इन बेबस मजदूरों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। जिन मजदूरों के पसीने से वे विकास की इबारत लिखते रहे है उन्हे इस आपदा के समय बेसहारा छोड़ना अमानवीय कृत्य है। पलायन पर बाध्य इन मजदूरों की पीड़ा को समझने की जरूरत है। इनके पुनर्वास की व्यवस्था सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता के नशे में चूर हुक्मरान याद रखे- आज जो फैले है हाथ तुम्हारे सामने, एक दिन बन जाएंगे मुट्ठियां तुम देखना।

18 वर्ष से अधिक वालों को लगेगा निशुल्क कोरोना वैक्सीन: भूपेश

■ कोरोना वैक्सीन का भुगतान करेगी राज्य सरकार

■ अपने नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए हम हरसंभव कदम उठाएंगे- मुख्यमंत्री

■ केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह पर्याप्त संख्या में वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करे

रायपुर/नव प्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घोषणा की है कि छत्तीसगढ़ में 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को निशुल्क कोरोना वैक्सीन लगाया जाएगा। 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के कोरोना के टीकाकरण का भुगतान राज्य सरकार करेगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि अपने नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए हम हरसंभव कदम उठाएंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि छत्तीसगढ़ में पर्याप्त संख्या में वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कोविड टीकाकरण के लिए पात्र सभी हितग्राहियों से अपील भी की है कि उन्होंने अगर अब तक टीकाकरण नहीं कराया है तो ज़रूर करा लें, जिससे वे संक्रमण से होने वाली गम्भीर बीमारी से बच सकें।

पहले डोज में राज्य का स्थान पूरे देश में चौथा

उल्लेखनीय है कि 45 वर्ष से अधिक आयु समूह को कोविड 19 वैक्सीन की प्रथम डोज़ देने में छत्तीसगढ़ राज्य का स्थान पूरे देश में चौथा है। यदि साठ वर्ष और उससे अधिक आयुवर्ग की बात करें तो छत्तीसगढ़ पूरे देश में लद्दाख, राजस्थान, सिक्किम और त्रिपुरा के बाद पाँचवें स्थान पर है। 88 प्रतिशत हेल्थ केयर वर्कर, 92 प्रतिशत फ्रंट लाइन वर्कर को भी वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है ।छत्तीसगढ़ में अब तक 51 लाख 25 हज़ार 640 कोरोना वैक्सीन की डोज़ का उपयोग किया गया है। प्रदेश में अब तक पहला और दूसरा डोज मिलाकर कुल 50 लाख 55 हजार 698 डोज लगाए जा चुके हैं।

बीस हजार आक्सीजन सिलेण्डर की तत्काल आवश्यकता, केन्द्र सरकार से मदद की अपील

बढ़ते कोरोना संक्रमण के आंकड़ों के कारण प्रदेश में लगातार ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग बढ़ रही है, इसे लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस? सिंहदेव ने चिंता जताते हुए केंद्र से जल्द मदद की अपील की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र से जल्द से जल्द 20 हजार ऑक्सीजन सिलेंडर देने की मांग की है। स्वास्थ्य मंत्री ञ्जस् सिंहदेव ने कहा कि कोरोना से निपटने हमारी व्यवस्था जारी है। हमारे पास 12 हजार ऑक्सीजन सिलेंडर आ गए हैं। केंद्र से ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग की है। बाज़ार से भी ऑक्सीजन सिलेंडर खरीद रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार से भी जल्द से जल्द मदद मिलने की उम्मीद है।

ऑक्सिजन सिलेंडर ख़रीदने के लिए रायपुर को एक करोड़ रुपए की स्वीकृति

रायपुर में ऑक्सिजन सिलेंडर की आपूर्ति निरंतर बनाये रखने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी स्वीकृति

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर में ऑक्सिजन सिलेंडर की आपूर्ति निरंतर बनाये रखने के लिये कलेक्टर को एक करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की हैं । मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत राशि का उपयोग नये ऑक्सिजन सिलेंडर क्रय करने में किया जायेगा ।रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीज़ों की संख्या में वृद्धि के कारण ऑक्सिजन की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया हैं ।

खास-खबर

कलेक्टर का अपहरण करने वाले नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

मलकानगिरी/ जगदलपुर। आंध्रप्रदेश नक्सल ऑपरेशन में जुटे सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। 20 लाख के इनामी नक्सली ने सरेंडर कर समाज की मुख्यधारा को अपनाया है। आत्मसमर्पित नक्सली जालंधर रेड्डी उर्फ कृष्णा आंध्रप्रदेश-ओडिशा में सक्रिय था। बता दे कि जालंधर स्टेट और जोनल कमिटी का सदस्य था। साल 2011 में मलकानगिरी कलेक्टर के अपहरण का मास्टरमाइंड भी था जालंधर। गौरतलब हो कि सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई से माओवादी भारी दबाव में हैं। घबराए नक्सली सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाकर अपना दबदबा कायम रखना चाह रहे हैं तो वहीं कुछ नक्सली सरेंडर कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में सक्रिय मामलों में गिरावट

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में 24 घंटों के दौरान सभी राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में कमोबेश बढ़ोतरी हुई जबकि एकमात्र छत्तीसगढ़ में इसमें गिरावट आयी वहीं विभिन्न राज्यों में दो हजार से अधिक संक्रमितों की मौत हुई हालांकि नौ राज्यों में इससे किसी की मौत नहीं होने की रिपोर्ट हैं। कर्नाटक में सर्वाधिक 17074 सक्रिय मामले में बढ़े , वहीं केरल में 15,669 , उत्तर प्रदेश में 15,021 , राजस्थान में 8930 , दिल्ली में 8688 , गुजरात में 7746 तथा महाराष्ट्र में 7653 सक्रिय मामले बढ़े। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में सक्रिय मामलों में 3312 की कमी आयी। बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,95,041 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ 56 लाख 16 हजार 130 हो गयी।

ऑक्सीजन टैंकर लीक होने से रुकी सप्लाई, 22 की मौत

नासिक/ए.। महाराष्ट्र के नासिक शहर के जाकिर हुसैन हॉस्पिटल में ऑक्सीजन टैंक में हुई लीकेज के चलते अस्पताल में भर्ती 22 मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई है। सूत्रों की माने तो यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। जानकारी के मुताबिक इस अस्पताल में 65 से ज्यादा मरीज वेंटीलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे। जिनमें से 35 मरीजों की हालत नाजुक बताई जा रही थी। मरने वाले लोगों में 11 पुरुष और 11 महिलाएं बताई जा रही हैं। यह हादसा तकरीबन साढ़े बारह बजे के आसपास हुआ है।

कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा

नासिक के जिलाधिकारी सूरज मांढरे के मुताबिक आज सुबह अस्पताल में लगे ऑक्सीजन टैंक का कॉक खराब हो गया था, जिसकी वजह से गैस का लीकेज शुरू हुआ। इस वजह से ऑक्सीजन की सप्लाई का प्रेशर कम हो गया और ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखे गए 22 मरीजों की मौत हो गयी है। हालांकि इस लीकेज को आधे घंटे के भीतर दुरुस्त कर दिया गया ।

■ मरने वाले लोगों में 11 पुरुष और 11 महिलाएं बताई जा रही हैं...

■ सीएम ने हादसे में मरने वालों के परिजनों को 5 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान

■ अस्पताल में 65 से ज्यादा मरीज वेंटीलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे

■ जिनमें से 35 मरीजों की हालत नाजुक बताई जा रही थी

हादसे के बाद फिर शुरू ऑक्सीजन सप्लाई

इस घटना के बाद नासिक के अस्पताल में फिर से ऑक्सीजन की सप्लाई शुरू हो चुकी है। मरीजों को बेड पर ऑक्सीजन देने का काम किया जा रहा है। हालांकि इस दुर्घटना की वजह से कई मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस दुर्घटना के पीछे कोई मानवीय भूल है या किस वजह से इतनी बड़ी दुर्घटना घटी? इन तमाम बातों पर फिलहाल प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। प्रशासन का कहना है कि पहले लोगों की जान बचाना हमारी प्राथमिकता है।

ऑक्सीजन टैंक के लिए नहीं थी टेक्निकल टीम

जानकारी के मुताबिक अस्पताल में जिस कंपनी ने ऑक्सीजन टैंक स्थापित किया था। उनकी तरफ से टैंक की देखरेख के लिए टेक्निकल टीम के व्यक्ति का होना जरूरी होता है। ऑक्सीजन प्लांट की देखरेख करना डॉक्टरों का काम नहीं होता है। ऐसे में टेक्निकल टीम को ऑक्सीजन टैंक के लिए क्यों नहीं रखा गया है? यह सवाल भी अब पूछा जा रहा है।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नासिक हादसे में मरने वाले 22 लोगों के परिजनों को 5 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया। साथ ही ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भ्रम न फैलाए : दवा से कोरोना हो रहा हवा

कोरोना वैक्सीन के बाद 10 हजार में 3 लोग ही संक्रमित

नई दिल्ली/ए.। देशभर में कोरोना वायरस की दूसरी लहर तबाही मचा रही है। पिछले एक साल से अधिक समय से जारी महामारी में बुधवार को पहली बार दो हजार से अधिक लोगों की जान गई, जबकि तीन लाख के पास नए केस सामने आए। इन सबके बीच, सरकार वैक्सीनेशन प्रक्रिया को और तेज करने में लगी हुई है। एक मई से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाने का ऐलान भी हो चुका है। अब सरकार ने जो ताजा आंकड़े दिए हैं, उससे चंद लोगों में भी जो वैक्सीन को लेकर आशंकाएं हैं, वे भी कम होंगी। दरअसल, केंद्र ने बुधवार को आंकड़े जारी करके बताया है कि जिन लोगों ने वैक्सीन की दोनों डोज लगवा ली है, उनमें सिर्फ 5500 लोग ही कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। यानी कि दस हजार में सिर्फ तीन लोग ही संक्रमित पाए गए हैं।

केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन को लेकर बताया कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन की पहली खुराक ले चुके 21000 से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं, जबकि उनकी दोनों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

किस उम्र के कितने लोग दूसरी लहर में हुए संक्रमित?

सरकार ने बताया कि तीस साल या उससे अधिक उम्र के लोगों में पहली लहर में कोविड-19 के 67.5 फीसद मामले आए थे, वहीं दूसरी लहर में इस आयुवर्ग के 69.18 प्रतिशत मामले आए हैं। महामारी की पहली लहर में 20 से 30 साल के आयुवर्ग में कोविड-19 के 20.41 प्रतिशत मामले आए, जबकि दूसरी लहर में इस आयुवर्ग के 19.35 प्रतिशत मामले रहे। महामारी की पहली लहर में 10 से 20 साल के आयुवर्ग में कोविड-19 के 8.07 प्रतिशत मामले मिले थे। दूसरी लहर में 8.50 प्रतिशत मामले सामने आए हैं।

संपत्ति विवाद में पूर्व उपमुख्यमंत्री के बेटे, बहू और पोती की हत्या

मृतक की भाभी ने अपने भाई के साथ मिलकर रची थी साजिश

■ नाबालिग समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा में ट्रिपल मर्डर मामले के 6 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, जानकारी के अनुसार मृतक की भाभी ने ही इन सभी की हत्या की साजिश रची थी। भाभी के भाई ने अपने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में एक नाबालिक सहित सभी 6 आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं। जायदाद सहित पारिवारिक विवाद इस मामले में हत्या की वजह बनकर सामने आयी है। पुलिस ने हरीश कंवर के बड़े भाई हरभजन, उसके साले परमेश्वर तथा उसके दोस्त रामप्रसाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस ने बताया कि हरभजन की पत्नी धनकौर और उसके भाई परमेश्वर ने साजिश रची थी। हत्या के लिए आज का दिन तय हुआ था। जैसे ही परमेश्वर हरीश के घर के पास पहुंचा, तो उसने हरभजन की नाबालिग बेटी को स्स्र्र करके इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही हरभजन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भाभी ने रची हत्या की साजिश

शहर से लगे हुए भैसमा में बुधवार सुबह करीब 4 बजे अविभाजित मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री रहे स्व. प्यारेलाल कंवर के बेटे हरीश कंवर, हरीश की पत्नी सुमित्रा कंवर और चार साल की बेटी आशी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है, कि हरीश ने एक साल से संपत्ति पर कब्जा कर रखा था, इस वजह से उनके बीच विवाद चल रहा था। हरभजन की पत्नी ने अपने भाई के साथ मिलकर साजिश रची थी।

पालनार मेले से माओवादियों ने किया जवान का अपहरण

बीजापुर/नव प्रदेश । जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के पालनार से माओवादियो द्वारा एक सहायक सब इंस्पेक्टर का अपहरण किये जाने की खबर आ रही है, जवान जगदलपुर में पदस्थ था। मिली जानकारी के अनुसार जगदलपुर में पदस्थ एएसआई मुरली ताती निवासी पालनार पिछले 40- 45 दिनों से अपनी ड्यूटी से गैर हाजिर होकर अपने निवास स्थान पालनार गया हुआ था, बुधवार को जवान गांव में होने वाले मेले में शामिल होने गया हुआ था,इसी दौरान शाम 4 बजे मेले से माओवादियो द्वारा जवान का अपहरण कर लिया है।

नक्सली प्रवक्ता ने ड्रोन एयर स्ट्राइक कर 12 बम गिराने का किया दावा

बीजापुर/नवप्रदेश। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पुलिस ने 19 अप्रैल को पामेड़ थाना क्षेत्र के ग्राम बोत्तालंका और पालागुडेम में ड्रोन से करीब 12 बम गिराए हैं। नक्सली प्रवक्ता विकल्प ने दावा किया है कि ड्रोन हमले से पहले ही नक्सलियों ने जगह बदल ली थी। इससे उन्हें को कोई नुकसान नहीं हुआ है। प्रेस नोट के साथ ही प्रमाण के तौर पर फोटो और वीडियो भी जारी किए गए है। वहीं दूसरी ओर इसे नक्सलियों का प्रोपेगेंडा माना जा रहा है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने नक्सली हमले के बाद सुरक्षा बलों द्वारा नक्सलियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक का दावा किया गया है। एयर स्ट्राइक को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन नक्सली प्रवक्ता विकल्प ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर एयर स्ट्राइक की बात कही है। नक्सली प्रवक्ता के अनुसार सुरक्षा बलों की कार्रवाई में नक्सलियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

सुरक्षा बलों का माओवादियों पर ड्रोन हमला करने का आरोप बेबुनियाद

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प द्वारा जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में सुरक्षा बल द्वारा माओवादियों के ऊपर ड्रोन के माध्यम से हवाई हमला करने का आरोप लगाया गया है। यह आरोप बिल्कुल बेबुनियाद है। विगत दिनों में अपना आधार क्षेत्र पैर के नीचे से खिसकने से सीपीआई माओवादी संगठन बौखलाहट में निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों की हत्या करना, तोड़फोड़, आगजनी जैसे जनविरोधी एवं विकास विरोधी हरकत को अंजाम दे रहे हैं। वास्तविकता यह है कि अब तक हजारों निर्दोष ग्रामीणों की हत्या, विकास कार्यों हेतु इस्तेमाल वाहन और मशीनों को जलाना जैसी कायराना हरकतों से अपनी झूठी ताकत का प्रदर्शन करने का असफल प्रयास करने वाला ये गैरकानूनी एवं अमानवीय माओवादी संगठन का खात्मा बहुत जल्दी होगा तथा बस्तर की जनता को माओवादियों के आतंक से बहुत जल्दी मुक्ति मिलेगी।

कोरोना से डरना नहीं | **कोरोना महामारी पर क्या बोले विशेषज्ञ डॉक्टर ?**

'रेमडेसिविर कोई रामबाण नहीं... मत समझिए इसे जादू की गोली'

■ कोरोना इलाज के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी पर देश में मारामारी

■ इलाज के दौरान ऑक्सीजन वही लोग लें जिन्हें वाकई में इसकी जरूरत है

दवा नहीं ट्रीटमेंट हैं ऑक्सीजन, बेकार मत कीजिए इसे'

रेमडेसिविर इंजेक्शन की तरह देश के अस्पतालों में ऑक्सीजन कम होने की खबरें भी लगातार आ रही हैं। कई जगहों पर ऑक्सीजन न मिल पाने की वजह से कोरोना मरीजों की जान भी चली गई है। कोरोना इलाज के दौरान ऑक्सीजन के प्रयोग को लेकर भी डॉक्टरों ने अपने विचार रखे। डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा ऑक्सीजन एक ट्रीटमेंट, यह कोई दवा नहीं है। रुक-रुककर ऑक्सीजन लेना पूरी तरह से इसको बेकार करना है। अब तक ऐसा कोई डेटा नहीं है जिससे यह पता चलता हो कि ऑक्सीजन की वजह से आपको कोई मदद मिलती है। इसलिए इसे ट्रीटमेंट के रूप में ही लेना चाहिए न कि दवा के रूप में।

'93-94 तक बाहर से ऑक्सीजन लेने की जरूरत नहीं'

डॉ गुलेरिया ने कहा एक देश के रूप में अगर हम साथ मिलकर काम करें और न्यायपूर्ण तरीके से ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन का यूज करें तो किसी भी अस्पताल में इनकी कमी नहीं होगी। ऑक्सीजन और ऑक्सीजन की सप्लाई की आवश्यकता वाले लोगों की संख्या के मामले में हम अच्छी तरह से बैलेंस्ड हैं। अगर किसी व्यक्ति के शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा 93-94 तक है तो यह जरूरी नहीं कि वह बाहर से ऑक्सीजन ग्रहण करे ताकि उसका लेवल 98-99 तक पहुंच जाए। इससे उसको किसी तरह का फायदा नहीं होने वाला है। अगर आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा 94 से कम है तो इस पर निगरानी रखिए, लेकिन अभी भी आपको बाहर से ऑक्सीजन लेने की जरूरत नहीं है।

नई दिल्ली/ए.। पूरे देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से हाहाकार मचा हुआ है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अस्पतालों में रेमडेसिविर इंजेक्शन की सबसे ज्यादा मांग है। केंद्र सरकार लगातार राज्यों को इस इंजेक्शन की सप्लाई कर रही है। इस बीच, देश के तीन विख्यात विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों के बीच रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर फैले भ्रम को दूर किया है। इन डॉक्टरों का स्पष्ट तौर पर कहना है कि रेमडेसिविर कोई 'रामबाण' नहीं है। ये केवल उन लोगों में वायरल लोड को कम करती है जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है। उनका यह भी कहना है कि लोग रेमडेसिविर को जादू की गोली समझना बंद करें। बुधवार को एम्स दिल्ली के डायरेक्टर डॉ रणदीप गुलेरिया, मेदांता हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ नरेश त्रेहान और नारायणा हेल्थ के अध्यक्ष डॉ देवी शेट्टी ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव को लेकर जरूरी बातें बताईं। अस्पताल में रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर चल रही मारामारी पर डॉ रणदीप गुलेरिया ने स्पष्ट किया कि इसे जादू की गोली नहीं समझनी चाहिए। बहुत कम प्रतिशत लोगों को रेमडेसिविर की आवश्यकता होती है। वहीं, डॉ नरेश त्रेहान ने कहा कि कोरोना ठीक करने के लिए यह दवा रामबाण ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोरोना टीकाकरण में केन्द्र सरकार विफल : राहुल-प्रियंका

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कोरोना टीकाकरण में सरकार की रणनीति को विफ्ल बताते हुए आज कहा कि उसके गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण देश को कोराना टीके और ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। श्री गांधी ने ट्वीट किया , केंद्र सरकार की वैक्सीन रणनीति नोटबंदी से कम नहीं। आम जन लाइनों में लगेंगे, धन, स्वास्थ्य एवं जान का नुक़सान झेलेंगे और अंत में सिर्फ़ कुछ उद्योगपतियों का फ़ायदा होगा। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि सरकार की टीकाकरण को लेकर कोई योजना नहीं है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के बीच पर्याप्त समय था और सरकार को मालूम था की दूसरी लहर आएगी फिर भी इससे निपटने की रणनीति नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने छह करोड कोरोना वैक्सीन का निर्यात किया है और इसको लेकर खूब प्रचार-प्रसार कर वाह-वाही लूटने का काम किया गया लेकिन अपने देश के लोगों को पर्याप्त टीका उपलब्ध नहीं हो रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी को लेकर भी सरकार पर हमला किया और कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यूज गैलरी

शंकराचार्य की टीम ने स्वस्थ कर घर भेजा

भिलाई। शंकराचार्य कोविड हॉस्पिटल के चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के कड़ी मेहनत से जटिल केस को भी हल करने में बड़ी सफलता हासिल हुई। मायस्थेनिया ग्रेविस से पीड़ित एवं सीटी स्कोर 22 वाले पेशेंट को सफलतापूर्वक उपचारित कर घर भेजा गया है। एक हफ्ते पहले जब सुपेला निवासी 52 वर्षीय विभास पंडित शंकराचार्य हॉस्पिटल आए थे तब उनका सीटी स्कोर 25 में 22 था एक तरह से यह काफी जोखिम भरा सीटी स्कोर था। इसके साथ ही उन्हें मायस्थेनिया ग्रेविस की भी समस्या थी। इन दोनों विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शंकराचार्य कोविड हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने हिम्मत नहीं हारी ट्रीटमेंट आरंभ किया और एक हफ्ते बाद बहुत ही सुखद परिणाम आया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अस्पताल की प्रभारी डॉ. सुगम सावंत ने बताया कि श्री पंडित के स्वस्थ होने पर शंकराचार्य के पूरे स्टाफको खुशी हुई है यह बड़ी उपलब्धि हॉस्पिटल की है। उन्होंने बताया कि मायस्थेनिया ग्रेविस मांसपेशियों से संबंधित समस्या होती है। श्री पंडित जब हॉस्पिटल में आए तो उन उनके टेस्ट रिपोर्ट आए 4 दिन हो चुके थे और इस तरह संक्रमण काफी फैल चुका था। इसकी वजह से उनका ट्रीटमेंट एक बड़ी चुनौती थाए फिर भी शंकराचार्य कोविड केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने बड़ी मेहनत से इस कार्य को अंजाम दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने दिए 25 हजार

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे आज अहिवारा नगर पंचायत पहुंचे। यहां उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने यहां संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों के लिए 3 लाख की राशि स्वीकृत की। इस मौके पर नपा अध्यक्ष नटवर ताम्रकार ने भी कोविड केयर सेंटर के लिए 25 हजार की राशि कलेक्टर को भेंट की। कलेक्टर ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में कोविड केयर के लिए की गई पहल प्रशंसनीय है। कलेक्टर ने इस मौके पर कहा कि अहिवारा स्थित को कोविड केयर सेंटर में स्टाफ की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने यहां वैक्सीनेशन की भी जानकारी ली तथा तेजी से वैक्सिनशन का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। यहां के हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि अभी कोरोना संक्रमण के हालात पहले की तुलना में कुछ हद तक नियंत्रित हुए हैं।

आइसोलेशन सेंटर का मंत्री ने किया शुभारंभ

भिलाई। सेक्टर.6 ए मार्केट स्थित लाइवलीहुड कालेज में 80 बेड का आइसोलेशन सेंटर स्थापित किया गया है। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह मानव सेवा की दृष्टिकोण से पुनीत कार्य है। इसके खुलने से कोरोना संक्रमण से संक्रमित लोगों को घर के जैसे माहौल मिलेगा। यहां 24 घंटे चिकित्सक मौजूद रहेंगे। निगम और जौहर चेरिटेबल के सहयोग से इसका संचालन किया जाएगा।

फल बेचने वाले 33 की हुई कोरोना जांच

दुर्ग। जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के आदेश पर निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर निगम टीम द्वारा शहर में घूम घूमकर ठेले सब्जी फल बेचने वाले 33 लोगों को कोरोना टेस्ट करवाया गया। लुचकी पारा एवं शिक्षक नगर रोड पर कुल 33 ठेले मे सब्जी फल बेचने वालों का करोना जांच किया गया है सभी की रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। निगम द्वारा विशेष रूप से अलर्ट किया। क्षेत्र अंतर्गत प्रतिदिन शिविर लगाकर ठेले में सब्जीए फल एव अन्य सामग्री भेजने वालो की कोरोना जांच की जाएगी। निगम अमला द्वारा शहर के बाजारों गालियों एव चौक चौराहे में स्पीकर द्वारा की जा रही है कि सर्दी.खांसी, बुखार जैसे लक्षण कोरोना के हो सकते हैं ऐसी स्थिति में तुरंत नजदीकी फीवर क्लीनिक जाकर टेस्ट कराएं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे कलेक्टर

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज निकुम एवं उतई स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। यहां 20 बेड आइसोलेशन मरीजों के लिए आरंभ किए गए हैं। यह वह मरीज हैं जो कोविड सस्पेक्टेड हैं तथा साँस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। यहां पर उन्होंने ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं पल्स ऑक्सीमीटर की व्यवस्था देखी। साथ ही मरीजों को दिए जा रहे ट्रीटमेंट की व्यवस्था भी देखी। उतई के स्वास्थ्य प्रबंधक ने बताया कि यहां मरीजों की संख्या में कुछ दिनों में थोड़ी गिरावट आई है। कलेक्टर ने कहा कि क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाएं तथा सर्दी खांसी बुखार जैसे लक्षणों वाले मरीजों का चिन्हांकन करें। ऑक्सीजन की स्थिति पर लगातार निगाह रखें जैसे ही ऑक्सीजन लेवल ड्रॉप होता है जिला मुख्यालय में रिफर करने की तुरंत कार्रवाई करें।

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कार्मिकों की जीवन रक्षा : दास

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस्पात संयंत्र के डायरेक्टर इंचार्ज अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्मिकों तथा उनके परिजनों के नाम अपील जारी करते हुए बीएसपी के विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी तथा कोविड से बचने हेतु आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की। इस अपील में उन्होंने कार्मिकों तथा उनके परिजनों के अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन की कामना करते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी को विदित ही है कि पुरे देश में कोविड कि दूसरी लहर तेजी से फैल रही है। भिलाई और हमारा प्रदेश भी इससे अछुता नहीं है। हमने पिछले दिनों में अपने कई कर्मठ साथियों को खोया है जिनकी क्षति अपूर्णीय है। हम इन सभी साथियों को सादर श्रद्धांजलि देते हैं। इस दुःख की घड़ी में सेल भिलाई प्रबंधन आपके साथ खड़ा है। आज हम सभी को सुरक्षित और सावधान रहने कि जरुरत है। इससे बचाव के उपायों का कड़ाई से पालन करें और जो कर्मचारी 45 वर्ष की आयु के हो चुके है वे सभी टीका अवश्य लगवाए। एक मई से प्रारंभ होने वाले टीकाकरण में हमारे शेष बचे कार्मिक भी टीका अवश्य लगवायें। मेरा अनुरोध है की कोई भी अपनी सर्दी-खांसी, बुखार के लक्षण छिपाकर कोविड टीका न लगायें। टीकाकरण के पश्चात भी हमें

कोविड से बचाव कि सभी सावधानियों का पालन करना है। टीका लगाने से कोविड होगा यह एक मिथक है।

टीका लगाने के पश्चात् मात्र कुछ लोगों में सर्दी-खांसी, जुकाम, सिरदर्द या बुखार के हल्के लक्षण दिखाई देते है, जो कि एक-दो दिनों में ठीक हो जाते है। अतः इसमें घबराने की आवश्यकता नहीं है। परंतु अगर टीका लगाने से पूर्व आपको ये लक्षण है तो कृपया टीका न लगवायें। पूर्ण स्वस्थ होने के पश्चात् डॉक्टर की सलाह लेकर ही टीका लगवायें। जिन्हें कोरोना हो चूका है, वे साथी कोविड टेस्ट कराने के दिन से लगभग 4 सप्ताह के पश्चात् ही टीकाकरण करवाए। कोविड के तत्काल बाद टीका लगाना सही नहीं है।

कोविड से बचाव हेतु कार्य स्थलों को निरंतर सैनीटाइज किया जा रहा है। कई विभागों और शॉप में कार्मिको को आवश्यकतानुसार बुला कर काम लिया जा रहा है जिससे एक समय पर अधिक कार्मिक एकत्र न हो। सुरक्षा के इन उपायों के क्रियान्वयन से भले ही हमारा उत्पादन कम हुआ है, परन्तु सेल की प्राथमिकता हम सबकी सुरक्षा है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए हाल ही में भिलाई इस्पात संयंत्र के भीतर आक्यूपेशनल हेल्थ सेंटर में भी कार्मिकों व अधिकारियों जो कोरोना मरीज के प्राइमरी कान्टेक्ट में आये है ऐसे व्यक्तियों की अलग से आरटीपीसीआर टेस्टिंग की सुविधा प्रारंभ की गई है। यदि आपके ऐसे सहकर्मी कोरोना संक्रमित हुए हैं और जिनसे कार्य के दौरान आप ज्यादा संपर्क में आये हैं तो आपको भी कोविड जाँच करवा लेना चाहिए।

यदि आप में सर्दी खांसी और बुखार आदि के लक्षण हों तो कार्यस्थल में ना आकर, इसकी जांच के लिए फ्लु क्लिनिक जाएँ। ऐसी स्थिति में जरा सी भी लापरवाही ना करें। जान है तो जहान है।

होमआईसोलेशन को मजबूत करने बनी कार्ययोजना

विधायक ने अधिकारियों के साथ की चर्चा

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव लगातार कोरोना मरीजों को राहत पहुंचाने और इलाज की बेहतर व्यवस्था बनाने के प्रयास में जुटे है। वे रोज विभिन्न अस्पतालों का निरीक्षण भी कर रहे हैं। शहर के मरीजों को अस्पताल आने जाने में कोई परेशानी न हो। सभी मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकें। इसके लिए विधायक यादव ने शहर वासियों के लिए जन सहयोग के माध्यम से एक नई एम्बुलेंश की व्यवस्था किए है। एम्बुलेंश के संचालन जिम्मेदारी निगम प्रशासन को दी गई है।

इसके साथ ही विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि जन सहयोग के माध्यम से और एम्बुलेशन की व्यवस्था की जाएगी। निगम प्रशासन को एम्बुलेश सौंपकर कर निगम अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया गया। श्री यादव ने निगम में पेड़ के नीचे बैठ कर सोसल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अधिकारियों के साथ बैठक किए। बैठक में निगम के अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा की कि अस्पताल में भर्ती कोरोना के मरीज और उनके परिजन मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। वे कोरोना के काफी डर गए है। ऐसे में लोगों को कोरोना के इलाज के साथ अब मनोरोग विशेषज्ञा डॉक्टरों की भी जरूरत है। जो इन मरीजों और उनके परिजनों को मानसिक रूप से मजबूत करें। मरीजों का मनोबल और आत्मविश्वासन बनाएं रखे। इसके लिए निगम के अधिकारियों को जिम्मेदारी भी दी है कि वे मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टरों बात कर मरीजों की काउंसिलिंग कराए। बैठक में कोरोना के रोकथाम से लेकर होम आईसोलेट मरीजों के लिए दवाइयों से लेकर भोजन आदि की व्यवस्था करने के संबंध में लंबी चर्चा की गई और कार्य योजना तैयार की गई। बैठक में होमआईसोलेट मरीजों को घर पहुंचा कर भोजन उपलब्ध कराने के लिए वालंटियर तैयार करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में कहा कि जितने भी लोग होम आईसोलेनशन में है उनके संपर्क बनाएं रखे।

कॉलोनी के मेडिकल दुकान में मिला सौंदर्य का सामान

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन कर मुनाफाखोरी करने के लगातार मामले सामने आ रहा है। इंटरनेशनल कॉलोनी तालपुरी के मेडिकल स्टोर्स में निगम के अधिकारियों ने नई साड़ी, कपड़े व भारी मात्रा में कॉस्मेटिक सामान बरामद किया। मेडिकल स्टोर्स संचालक पर 25 सौ जुर्माना वसूल सामान हटवाया। प्रशासन एक ओर जहां सख्त लॉकडाउन को पालन कराने पूरी ताकत झोंक दी है वहीं कुछ दुकानदार खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे है। निगम के राजस्व निरीक्षक अनिल मेश्राम की टीम उस समय हतप्रभ रह गई जब वे तालपुरी स्थित पारिजात कॉलोनी के शिव मेडिकल स्टोर्स पहुंची। वहा मेडिकल स्टोर्स संचालक की पत्नी दवा दुकान में नई साड़ी, कपड़े, ज्वेलरी और कॉस्मेटिक सामान बेच रही थी। निगम अधिकारियों ने दुकान संचालक देव साहू व उसकी पत्नी देवीप्रभा साहू को न केवल फटकार लगाते हुए प्रकरण दर्ज कर जुर्माना वसूला। टीम में अनिल मेश्राम, टेकराम हरिन्द्रवार, धर्मरक्षक पाठक व पंकज भगत ने अन्य सामानों को हटवाया। लॉकडाउन का पालन कराने आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के नेतृत्व में अधिकारी दबिश देकर रिसाली व तालपुरी क्षेत्र में भ्रमण कर चौक चौराहों में खड़ी भीड़ को खदेड़ा।

जायसवाल किराना पर निगम ने किया जुर्माना

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर हो रही है कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोरोना लॉकडाउन में नियमों की अवहेलना करने वालों पर निगम की मोबाइल टीम सख्त कार्यवाही कर रही है। निगम क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर चोरी, चुपके सामान बेचने तथा फल, सब्जी वाले जो भीड़ इकटठा कर रहे है उन पर भी नजर रखी जा रही है। आज नेहरूनगर के जायसवाल किराना स्टोर के संचालक द्वारा चोरी, चुपके सामान देने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और दुकानदार से 2 हजार अर्थदण्ड वसूलने की कार्यवाही किए। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा लॉकडाउन लगाया गया हैए जिसका सार्थक परिणाम भी धीरे.धीरे नजर आने लगा है। लॉकडाउन का निगम प्रशासन सख्ती से पालन करवा रही है, बावजूद कुछ लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे है, कहीं घरों से सामान दिया जा रहा है तो कहीं घर से मांस विक्रय की सूचना मिल रही है। ऐसे स्थानों की सूचना मिलते ही मोबाइल टीम मौके पर पहुंच रही है और उनसे जुर्माना लेने की कार्यवाही कर रही है ऐसे

लोगों को कड़ाई से समझाइश भी दी जा रही है। नेहरू नगर के जायसवाल किराना दुकान द्वारा सामान देने की सूचना मिली जिस पर कार्रवाई की गई। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के आवश्यक है कि लॉकडाउन के नियमों सख्ती से पालन करके घर पर ही सुरक्षित रहकर शासनए प्रशासन की मदद की जाए। निगम प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहे है कि लोग अपने घरों पर ही सुरक्षित रहे बेवजह बाहर निकलने से स्वंय व परिवार के लोगों को संक्रमित होने का जोखिम न उठाएं। लॉकडाउन में सब कुछ बंद होने के बाद भी कई लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे है। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। निगम की मोबाइल टीम निरंतर सघन निरीक्षण कर शहर पर नजर रख रही है। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ निगम प्रशासन ने कार्रवाई की है। जिसमें से 14 लोगों से 4950 जुर्माना वसूला गया। सुरेन्द्र प्रजापति से 2 सौ, आनंद कुमार 2 सौ, शिवप्रसाद से 2 सौ, शिवकुमार से 2 सौ, इन्द्रमन से 2 सौ, नन्दू से 2 सौ, मुरली से 5 सौ, प्रमोद साव से 2 सौ, श्याम सोनकर 2 सौ, दिनेश से 2 सौ, सत्यम सोनी से 2 सौ, मोनू कुमार से 2 सौ एवं जायसवाल किराना से 2 हजार सहित लॉकडाउन के नियमों का दोबारा पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने हिदायत दी गई।

राजनेता राजनीति छोड़ मानवता का दें परिचय : डॉ ममता

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा डॉ ममता साहू ने कहा कि अभी कोरोना से लोग त्रस्त है केंद्र सरकार रेमडेसीविर इंजेक्शन का सप्लाई कर रही है लेकिन लोग कतार में खड़े हैं और छग में रेमडेसीविर इंजेक्शन मिल नहीं रहा है। सरकारी हॉस्पिटल हो या प्राइवेट वहाँ के डॉक्टर मना कर रहे हैं कि हमारे पास इंजेक्शन नहीं है आप बाहर से लाइये क्यों? जब सरकार ने आपको इंजेक्शन दिया है तो मरीज बाहर से क्यों लाएंगे ये इंजेक्शन और मरीजों के

लिए जो इंजेक्शन दे रहे हैं उसे अवैध ढंग से बाहर बेच दिया जाता है आज रेमडेसीवीर का एक एक इंजेक्शन 15 से 16 हजार तक में बिक रहा है। क्योंकि हॉस्पिटल वाले इसमें भी पैसे कमाने की सोच रहे हैं। जितनी सप्लाई हो रही है उसको अवैध रूप से बाहर बेचा जा रहा है और गलत ढंग से शो किया जा रहा है कि इतने मरीजों को दिया गया जो कि गलत आंकड़े हैं और इस तरह से कालाबाजारी कर रहे हैं। उन्होने कहा कि मानवता तार.तार हो चुकी है आए दिन पेपर में पढ़ रहे हैं कि कहीं डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मी इंजेक्शन को बेचते हुए पकड़ा गए हैं। राज्य सरकार इस को चाहती तो नियंत्रण में कर सकती थी।

इस तरह से रेमदेसीविर इंजेक्शन का अभाव नहीं होता। लेकिन यह कालाबाजारी सिर्फ पैसों के लिए हो रही है इंसान की जिंदगी का कोई मूल्य नहीं रहा। पैसा ही भगवान हो गया है।

कोरोना से निपटने आयुक्त सर्वे ने जनप्रतिनिधियों की ली बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। कोरोना की भयानक स्थिति और गंभीर मरीजों की जान बचाने निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने एल्डरमेनों से चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि गंभीर मरीजों के ईलाज के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त बेड की व्यवस्था की गई है। सही समय पर ईलाज हो इसके लिए पहले मार्गदर्शन अवश्य ले। आयुक्त ने एल्डरमेनों से कहा कि वे आमजन और प्रशासन के बीच वे सेतू की तरह कार्य करे। कोरोना से होने वाली मौत के आंकड़े को कम करने के लिए वे कोरोना संक्रमितों का मार्गदर्शन करे। आयुक्त ने एल्डरमेनों को कंट्रोल रूम का नंबर उपलब्ध कराते कहा कि वे पहले रिक्त बेडो की फोन से जानकारी ले। इसके बाद मरीज को सीधे संबंधित अस्पताल में भेजने की व्यवस्था कराए। बैठक में नोडल अधिकारी रमाकांत साहू समेत एल्डरमेन अनुप डे, फकीर राम ठाकुर, तरूण बंजारे, प्रेमचंद साहू, डोमार देशमुख आदि उपस्थित थे। आयुक्त ने कहा कि सोशल मिडिया में कई तरह की अफवाह फैलाने वाले मैसेज वायरल हो रहे है। इस पर वे ध्यान न दे। कलेक्टर के नेतृत्व में गंभीर कोरोना संक्रमितों के ईलाज के लिए ऑक्सीजन व बेड की व्यवस्था की गई है। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि कोरोना होने पर घबराए नहीं। घबराए हुए व्यक्ति को समय पर मार्गदर्शन दे। अगर जांच रिपोर्ट आने में विलंब हो रहा और संक्रमण फैलने की संभावना है तो संभावित को नजदीक के आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराए।

मेडिकल लैब टेकनोलॉजिस्ट के लिए दावा आपत्ति

दुर्ग। संभाग स्तर से मेडिकल लैब टेकनोलॉजिस्ट के 50 रिक्त पदों की पूर्ति सीधी भर्ती के माध्यम से किए जाने की प्रक्रिया में अभ्यर्थियों की अंतिम चयन मेरिट सूची एवं प्रतीक्षा सूची संवर्गवार जारी कर दी गई हैए जिसकी जानकारी हेतु अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट में अवलोकन कर सकते हैं ऐसे समस्त अभ्यर्थी जिन्होंने विज्ञापन के विरुद्ध मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट पद हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया एवं दस्तावेज के सत्यापन अनंतिम सूची में स्थान प्राप्त हैए वे अभ्यर्थी अंतिम चयन सूची एवं प्रतिक्षा सूची के विरुद्ध 25 अप्रैल 2021 तक दावा आपत्ति कार्यालय के ई.मेल आईडी में प्रस्तुत कर सकते हैं।

औचक निरिक्षण | कलेक्टर भूरे पहुंचे संक्रमण की रोकथाम व अमलेश्वर में मोबाइल टेस्टिंग टीम का देखा काम...

कलेक्टर ने देखी कोरोना से निपटने कैसी है तैयारी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने 3 सूत्रों पर काम किया जा रहा है। इनमें सर्दी बुखार, खांसी जैसे लक्षणों वाले मरीजों का चिन्हांकन कर इन्हें क्वारन्टीन सेंटर में रखा जानाए यहां पल्स आक्सीमीटर के माध्यम से ऑक्सीजन लेवल की नियमित जांच और प्रोफेलेक्सीस किट प्रदान किया जाना शामिल है। तीनों सूत्रों पर हो रहे काम का निरीक्षण करने कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज तीनों ब्लॉक का व्यापक दौरा किया। पाटन ब्लॉक में उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशों पर चर्चा करते हुए

कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी बुखार खांसी आदि कोरोना के लक्षणों वाले मरीजों को होम आइसोलेशन में न रखकर क्वारन्टीन में रखना सुनिश्चित करें। क्वारंटाइन सेंटर में इन्हें रोग निरोधी (प्रोफेलेक्सीस) किट दी जाएगी। इसके साथ ही इनके ऑक्सीजन लेवल की नियमित रूप से जांच होती रहेगी। प्रत्येक क्वारन्टीन सेंटर में 2 नग पल्स ऑक्सीमीटर होगा, इसके अलावा 3 नग ऑक्सीमीटर पंचायतों में होने चाहिए। इन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षण वाले मरीजों के ऑक्सीजन लेवल की जांच भी हो सकेगी, ऑक्सीजन लेवल डाउन होने की स्थिति में स्वास्थ्य केंद्र भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षण वाले मरीजों का लगातार चिन्हांकन करें। साथ ही इस तरह के मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में कोरोना जांच भी कराएं। मरीजों का चिन्हांकन होता रहे। उल्लेखनीय है कि सांस लेने में दिक्कत वाले कोविड संदिग्ध मरीजों के लिए विकासखंड मुख्यालयों में भी आइसोलेशन सेंटर की व्यवस्था की गई है। इनमें ऑक्सीजन बेड की सुविधा रखी गई है। ऐसे आइसोलेशन सेंटर धमधा, पाटन, निकुम, अहिवारा, कुम्हारी, उतई और झीठ में आरम्भ किये गए हैं। कलेक्टर ने बाहर से आये लोगों के क्वारन्टीन के संबंध में भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

पाटन नगर पंचायत में भी सभी घरों में मरीजों के चिन्हांकन के निर्देश उन्होंने दिए। होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों की नियमित कॉउंसिलिंग के निर्देश भी उन्होंने दिए। साथ ही लक्षण उभरते ही टेस्ट कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के ओएसडी आशीष वर्मा एवं नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप भी उपस्थित थे। ब्लॉक के ग्राम अमलेश्वर में मोबाइल टेस्टिंग टीम का निरीक्षण किया।

जनता की तकलीफ दूर करने सक्रिय हुए विधायक : सोनू

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित जिला प्रशासन स्थानीय कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे के अलावा बीएसपी के सीईओ से चर्चा कर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की मांग के साथ उन्होंने मेडिकल के क्षेत्र में सेवा दे रहे अध्ययनरत छात्रों से सेवा लेने अनुरोध किया। इस संकट की घड़ी में बड़ी संख्या में अस्पतालों में जो इलाज के लिए मरीज तड़प रहे उनको और बेहतर सुविधा देने मेडिकल के स्टूडेंट्स नर्सिंग कॉलेज के छात्र. छात्राओं का भी सीधे तौर पर हमें लाभ लेना चाहिए इससे उन्हें संकट की घड़ी में सेवा कार्य करने का अनुभव प्राप्त होगा। एनएसयूआई जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष सोनू साहू ने कहा कि इस महामारी में प्रदेश सरकार और स्थानीय निगम सरकार आम जनता के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ी है खासकर पैरामेडिकल स्टाफ की सेवा की मांग उठाने वाले युवा विधायक देवेंद्र यादव की पहल निश्चित रूप से काबिले तारीफ है इससे युवाओं में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। इस संकट की घड़ी में भी ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की बात की जाए या हॉस्पिटल में बेड बढ़ाने की बात की हो या वेंटीलेटर जैसे जरूरत की हर चीज में पैनी नजर है।

कोविड-19 की दूसरी लहर को थामने जेएसपीएल का चौतरफा प्रयास

रायपर प्लांट में सघन आरटी-पीसीआर जांच, कोविड के लक्षण पाए जाने पर क्वारंटाइन, आइसोलेशन, ऑक्सीजन और इलाज की पुख्ता व्यवस्था

■ एम्बुलेंस, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर और सैनिटाइजर का भी इंतजाम, पूरे प्लांट और टाउनशिप में सैनिटाइजेशन, टीकाकरण के लिए प्रोत्साहन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। जाने-माने उद्योगपति श्री नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने कोविड-19 की दूसरी लहर को थामने के लिए कमर कस ली है। कंपनी ने रायपुर मशीनरी डिवीजन में सघन आरटी-पीसीआर जांच अभियान चला रखा है और अब तक 350 से अधिक कर्मचारियों की जांच की जा चुकी है। जिन लोगों में कोविड-19 के लक्षण पाए जा रहे हैं, उनके क्वारंटाइन व आइसोलेशन के साथ-साथ इलाज और ऑक्सीजन की व्यवस्था भी की गई है।

जेएसपीएल के प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट अफेयर्स) श्री प्रदीप टंडन ने बताया कि प्लांट सुचारु रूप से चलता रहे, इसके लिए तमाम बंदोबस्त किये गए हैं। मानव संसाधन विभाग के प्रमुख श्री सूर्योदय दुबे और फैक्टरी मेडिकल ऑफिसर डॉ. हिदायतुल्लाह खान के नेतृत्व में चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं। आरटी-पीसीआर जांच के अलावा बीमार लोगों के इलाज की व्यवस्था की गई है। उनके अलग रहने की व्यवस्था की ही गई है, उनकी नियमित जांच भी की जा रही है। इसके लिए थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर और सैनिटाइजर उपलब्ध कराए गए हैं। विशेष रूप से ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा पूरे प्लांट एवं टाउनशिप को नियमित रूप से सैनिटाइज किया जा रहा है। जिन लोगों की उम्र 45 वर्ष से अधिक है, उन्हें टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

लक्षण दिखते ही कर रहे टेस्ट : दुबे

श्री सूर्योदय दुबे ने बताया कि कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए मशीनरी डिवीजन परिसर में अनाउंसमेंट की भी व्यवस्था की गई है ताकि कोई भी लक्षण प्रकट होने पर कर्मचारी स्वेच्छा से जांच कराकर शीघ्र स्वस्थ हो सके। प्लांट और टाउनशिप में नियमित रूप से जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है एवं सभी को योग आदि के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आपात स्थिति से निपटने के लिए जेएसपीएल ने एंबुलेंस की भी व्यवस्था की है ताकि हालत बिगड़ने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाया जा सके।

केन्द्र और राज्य की गाइडलाइन का हो रहा पालन

उन्होंने कहा कि कोविड19 की रोकथाम के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। चूंकि स्टील आवश्यक सेवाओं में है इसलिए कार्यालय आने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए थर्मल स्कैनिंग और सैनिटाइजेशन के साथ-साथ मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। सभी को सामाजिक दूरी बनाए रखने की हिदायत भी दी जा रही है और सभा आदि के आयोजन पर रोक लगा दी गई है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना से रिकॉर्ड 181 लोगों की मौत, 15625 नए केस

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना के डरावने आंकड़े सामने आ रहे हैं। कोरोना की रफ्तार ऐसे ही चलती रही, तो स्थिति भयावह हो जाएगी। मंगलवार को कोरोना के 15 हजार 625 केस सामने आए हैं. जबकि 181 लोगों की कोरोना से मौत हुई है. हालांकि राहत की बात ये रही, कि 15 हजार 830 लोगों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया।

प्रदेश में अब तक 4 लाख 42 हजार 337 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है. मौत का आंकड़ा 6 हजार 274 पहुंच गया है. प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 1 लाख 25 हजार 688 है. जबकि आज 50 हजार 699 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया है।

रायपुर जिले में अकेले 2225 कोरोना केस सामने आए है. दुर्ग में 1679, राजनांदगांव में 825, बिलासपुर में 1330, कोरबा में 990, बेमेतरा में 200, कवर्धा में 270, धमतरी में 472, बालौदाबाजार में 1036, महासमुंद में 450, गरियाबंद में 347, रायगढ़ में 998, जांजगीर में 985 कोरोना केस मिले हैं। रायपुर में कोरोना वायरस से मंगलवार को 76 लोगों की मौत हुई है. बिलासपुर में 21, जांजगीर में 5, धमतरी में 6, दुर्ग में 9, रायगढ़ में 13, कोरबा में 11, बालोद में 9, कांकेर में 4 मरीजों की कोरोना से मौत हुई है।

छालीवुड कलाकार अनुज शर्मा भी हुए कोरोना पॉजिटिव

पॉजिटिव सोच रखकर कोरोना को हराऊंगा

छत्तीसगढ़ में कोरोना महामारी का कहर जारी है। इस महामारी की चपेट में अब धीरे धीरे छॉलीवुड के कलाकार भी आने लगे है. ये कोरोना एक के बाद एक हस्तियों को अपनी चपेट में ले रहा है. हाल ही में छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता पद्मश्री अनुज शर्मा भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं. उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है. पद्मश्री अनुज शर्मा ने ट्वीट में लिखा कि लो हम भी कोरोना पॉजिटिव हो गए पर हम सोच में पॉजिटिव रहेंगे, सेहत का ख़्याल रखेंगे और कोरोना को हराएंगे। उन्होंने लोगो से भी अपील की कि आप सब भी लॉकडाउन का पूरा पालन करें घर पर रहें, खुद को सुरक्षित रखें. हम सब मिलकर जीतेंगे, कोरोना हारेगा 'देश जीतेगा।

100 बिस्तर नया मेडिसिन वार्ड बन जाने से मरीजों को मिलेगी सुविधा : मंत्री सिंहदेव

स्वास्थ्य मंत्री ने किया नवनिर्मित नकीपुरिया वार्ड का वर्चुअल उद्घाटन

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नवनिर्मित 100 बिस्तरीय मेडिसिन नकीपुरिया वार्ड का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस 100 बिस्तरीय वार्ड के बन जाने से मरीजों के इलाज में सहूलियत होगी। मंत्री सिंहदेव ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े जन प्रतिनिधियों तथा अधिकारियो को संबोधित करते हुए कहा कि इस वार्ड के बन जाने से क्षेत्रवासियों को अब और अधिक सुविधा मिमेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि स्वास्थ्य सुविधायों का विस्तार कर लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड के उपचार में पूरे स्वास्थ्य अमला डटा हुआ है। कोविड अस्पताल में भी ऑक्सीजन बेड और आईसीयू बेड बढ़ाये जा रहे है ताकि मरीजो को बेड की दिक्कत न हो। इसी प्रकार चिकित्सकों एवं अन्य स्टॉफ की कमी को भी जल्द दूर की जाएगी। नकीपुरिया वार्ड बन जाने से अब कोविड वार्ड में भी 30 बेड का आईसीयू और जनरल वार्ड 146 बेड ऑक्सीजन वाले हो गए हैं। आईसीयू में 18 वेंटिलेटर भी उपलब्ध हैं।

निधन

दामोदर नारायण मानापूरे

दुर्ग। दीपक नगर दुर्ग निवासी दामोदर नारायण मानापूरे का 86 साल की उम्र में सेक्टर 9 हॉस्पिटल में बीमारी के दौरान निधन हो गया वे नितिन एवं संदीप मानापुरे के पिता थे। अंतिम संस्कार आज शनिवार प्रातः 10:00 बजे हरना बांधा मुक्तिधाम में किया जावेगा।

बगस राम विश्वकर्मा

दुर्ग। गया नगर निवासी बगस राम विश्वकर्मा का आज 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लक्ष्मीनारायण, हेमंत, ललित, वेद प्रकाश के पिता एवं रघुनंदन के चाचा थे। अंतिम संस्कार हरना बांधा मुक्तिधाम में किया ।

विजय अग्रवाल

दुर्ग। कादंबरी नगर दुर्ग निवासी विजय अग्रवाल का 52 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन हो गया उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया वे राजेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल और संजय अग्रवाल (पीनु) के भाई थे।

बसंती जैना

भिलाई नगर। श्री विद्याधर जैना की धर्मपत्नी व भारतीय जनता पार्टी खुर्सीपार मंडल महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती बसंती जैना का आकस्मिक निधन 15 अप्रैल 2021 को उनके निवास बापू नगर वार्ड 29 जोन 2 खुर्सीपार भिलाई में हो गया। वे 54 वर्ष की थी।श्रीमती जैना एक समाजसेवी के साथ साथ विभिन्न राजनीतिक दल के प्रमुख कार्यकर्ता भी थी।

नरेन्द्र साहू

भिलाई। भिलाई के युवा पत्रकार नरेंद्र साहू का 34 वर्ष की आयु में पल्स अस्पताल में निधन हो गया। भिलाई की पत्रकार बिरादरी में स्व. साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की है।

रविन्द्र सिंह चौहान

भिलाई। रविन्द्र सिंह चौहान पहाड़ी का निधन हो गया। श्री चौहान बेहद सरल व सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके जाने से उनके शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। सभी शुभचिंतकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अनिता सिंघल

भिलाई। श्रीमती अनिता सिंघल का आज निधन हो गया। वे इस्पता कर्मचारी को ऑफ केडिट सोसायटी सेक्टर-6 भिलाई नगर में असिस्टेंट मैनेजर थी। श्रीमती सिंघल का इलाज के दौरान आज निधन हो गया।

पंकज पाटिल

दुर्ग। मरार पटेल समाज के अंकेक्षक महासंग के पूर्व सचिव व धमधा तेलगा राज के संरक्षक प्रदेश कर्मचारी प्रकोष्ठ के सलाहकार निवासी सेक्टर-8 बीएसपी फाईनन्स विभाग में कार्यरत श्री पकंज पाटिल का 58 वर्ष की उम्र सेक्टर-9 अस्पताल इलाज के दौरान निधन हो गया।

बिमला साहू

उतई। नगर पंचायत उतई वार्ड 5 से दो बार पार्षद रह चुकी 54 वर्षीय बिमला साहू का इलाज के दौरान आज अलसुबह आकस्मिक निधन हो गया। वे पंचराम साहू के पत्नी व युवराज साहू(सचिव) मेघश्याम, ममता साहू की माँ थी।

न्यूज गैलरी

वरिष्ठ पत्रकार तिलक देवांगन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। वरिष्ठ पत्रकार तिलक देवांगन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि तिलक देवांगन सीधे सरल सहज और बेहद कर्मनिष्ठ पत्रकार थे। ईश्वर इस दुख की घड़ी में परिवारजनों को सहनशक्ति एवं मृत आत्मा को शांति प्रदान करे। वरिष्ठ पत्रकार तिलक देवांगन के निधन पर प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, महामंत्री प्रशासन रवि घोष, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला, राजेंद्र तिवारी सदस्य, रमेश वर्ल्यानी सदस्य, आर.पी. सिंह सदस्य, सुरेंद्र शर्मा सदस्य, सुशील आनंद शुक्ला सदस्य, विकास दुबे सदस्य, संदीप साहू सदस्य, नितिन भंसाली सदस्य, अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव सदस्य ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।वरिष्ठ पत्रकार तिलक देवांगन के निधन पर प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, धनंजय ठाकुर, विकास तिवारी, मोहम्मद असलम, एडवोकेट सुरेंद्र वर्मा, एम.ए. इकबाल, वंदना राजपूत, आलोक दुबे जगदलपुर, अभय नारायण राय बिलासपुर, जनार्दन त्रिपाठी सरगुजा, कमलजीत पिंटू राजनांदगांव, कृष्णकुमार मरकाम धमतरी, प्रकाशमणि वैष्णव, अशुंल मिश्रा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीराम के जीवन का त्याग, करुणा व संघर्ष हमारे लिये प्रेरणा है-रमन सिंह

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने रामनवमीं पर ट्वीट कर प्रदेश व देश की जनता को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री राम हमारे आराध्य है आदर्श है हमारे प्राण है। उनके जीवन का त्याग, करुणा व संघर्ष हमारी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम धीरोदात्त नायक थे, उनके शील व धैर्य के कारण उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

छात्रा से अनाचार कर युवक फरार

रायपुर। रायपुर में इंजीनियरिंग की छात्रा से दुष्कर्म कर युवक फरार हो गया। छात्रा से युवक की इंटरनेट मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। फिर दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। इस दौरान युवक कोरबा अपने परिजनों से मिलने की बात कहकर फरार हो गया। इससे परेशान होकर छात्रा ने पुलिस से शिकायत की। कबीरनगर पुलिस के मुताबिक कोरबा के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाल्को निवासी मनीष शुक्ला के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। कबीरनगर थाना पुलिस के मुताबिक पीड़ि?ता इंजीनियरिंग की छात्रा है। साल 2020 में उसका आरोपित मनीष शुक्ला से इंटरनेट मीडिया के इंस्ट्राग्राम पर परिचय हुआ। फिर दोनो के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मौका पाकर आरोपित ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

मेडिकल वेस्ट फेंका, कान्हा हॉस्पिटल पर 25 हजार रुपए जुर्माना

रायपुर। रायपुर नगर निगम द्वारा आज मेडिकल वेस्ट खुले में फेंकने के कारण एक अस्पताल पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। साथ ही संचालक को फटकार लगाकर साफ सफाई रखने के निर्देश भी दिए। निगमायुक्त सौरभ कुमार के निर्देश पर आज निगम के जोन क्रमांक 9 के जोन कमिश्नर श्री संतोष पांडे, निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संतोष पांडे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी महेंद्र कलिहारी की टीम आज वीआईपी स्टेट में अशोका रतन के पास स्थित कान्हा हॉस्पिटल की जांच करने पहुंची थी। यहां से मेडिकल कचरा बाहर खुले में फेंके जाने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान मेडिकल कचरा डायपर आदि खुले में फेंका हुआ पाया गया।

मोदी ने देश को फिर निराश किया-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अंततः चुनाव प्रचार खत्म होते होते देश को संबोधित करने और देशवासियों के साथ खड़े होने का भाषण देने की औपचारिकता निभा ली। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को निराश किया। उन्होंने कहा कि यह लग रहा था कि जरूरतमंदों तक रेम्सडीवीर कैसे पहुंचेगी टीकाकरण की घोषणा के बाद सब को कैसे टीका मिलेगा यह प्रधानमंत्री बताएंगे टीकाकरण की व्यवस्थाएं कैसे होंगी इस पर प्रधानमंत्री देश से कुछ कहेंगें, देश की बिगड़ती स्थिति पर प्रधानमंत्री से ठोस बातों की अपेक्षा आज पूरे देश को थी लेकिन मोदी ने देश को फिर से निराश किया। आज विश्व में सबसे ज्यादा मौतें भारत में हुई है और सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले भारत में आए हैं इस पर प्रधानमंत्री मोदी से कुछ कहने और कुछ करने की अपेक्षा थी लेकिन कुछ भी ठोस कांक्रीट कहने के बजाय प्रधानमंत्री ने आज के भाषण में सिर्फ हवा हवाई बातें की।

दिनदहाड़े हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंगलवार को दिनदहाड़े राजातालाब इलाके के गरबा मैदान के पास चाकू से गोदकर युवक की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक के भतीजे मनोज हरपाल की शिकायत पर पुलिस ने विकास सिंह ठाकुर उर्फगोलू के खिलाफहत्या का मामला दर्ज किया है। मनोज ने बताया कि उसके चाचा मृतक प्रवीण हरपाल कल यादवपारा के पास गरबा मैदान में मोहोल्लेवासियो के साथ बैठे थे, इसी दौरान विकास ने पीछे से आकर प्रवीण के पेट के बाएं हिस्से में चाकू से वार कर दिया और मौके से फरार हो गया।इसके बाद 108 संजीवनी आने के पहले ही प्रवीण ने दम तोड़ दिया। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की और हत्यारे को पकड़ने टीम रवाना किया।

राहत मरीजों के त्वरित इलाज और वैक्सीनेशन से घट रही हैं संक्रमितों की संख्या

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में कोरोना जांच में वृद्धि

■ मुख्यमंत्री ने कोरोना गाइडलाइन का पालन करने प्रदेशवासियों से की अपील

नवप्रदेश संवाददाता

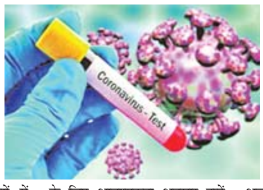

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में कोरोना जांच की संख्या में वृद्धि, मरीजों के त्वरित इलाज और वैक्सीनेशन के जरिए कोरोना नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में कोरोना गाइडलाइन का पालन के साथ ही कंटेन्मेंट जोन और लॉकडाउन के माध्यम से भी कोरोना के प्रसार को रोकने की पहल की जा रही है। इन सब प्रयासों से प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। कोरोना पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जिला एवं विकासखण्ड स्तर में स्थित कोविड केयर सेंटरों में वेंटिलेटर, आईसीयू और ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त कलेक्टरों के माध्यम से मरीजों को प्राथमिकता के तौर पर रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है।

कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने तथा पीड़ितों के त्वरित इलाज के लिए आवश्यकता अनुसार उन्हें क्वारेंटाइन सेंटर और आइसोलेशन कैन्द्र में रखने की व्यवस्था भी की गई है। जांजगीर-चांपा जिले में गत दिवस डॉक्टरों के बेहतर इलाज और जिला प्रशासन की बेहतर प्रबंधन के कारण होम आइसोलेशन में कोरोना का इलाज करा करे 425 मरीजों ने कोरोना का हराया है। यह जिले और प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है जो कोरोना को हराने में उम्मीद की जगाता है।

जिले में कलेक्टर की देख-रेख में कोविड अस्पतालों और कोविड केयर सेंटरों में समुचित प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए जिला अस्पताल परिसर जांजगीर-चांपा में एसईटीसी में 9 बेड आईसीयू के और 71 बेड ऑक्सीजन युक्त हैं। इसके अलावा 12 कोविड केयर सेंटर्स में 1220 बेड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कोविड केयर सेंटर्स के 114 बेड में ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध है। समुचित इलाज के फल स्वरुप अस्पताल में भर्ती मरीज तथा चिकित्सकों की निगरानी में उपचार करवा रहे होम आइसोलेशन के 425 मरीज आज पूरी तरह स्वस्थ्य हो गए।

दैनिक नव प्रदेश
अभिव्यक्ति
रायपुर, गुरूवार, 22 अप्रैल 2021

संपादकीय

दो गज की दूरी बेहद जरूरी

भारत में कोरोना की दूसरी लहर दिन-ब-दिन भयावह होती जा रही है। यह लहर कब तक कहर ढाएगी इस बारे में कुछ भी कह पाना मिहाल है। बढ़ती गर्मी के साथ ही कोरोना का संक्रमण और ज्यादा फैलने की संभावना व्यक्त की जा रही है। कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए कई राज्यों में लॉकडाउन किया गया है जहां इसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे है लेकिन पूरे देश में लॉकडाउन करना मुश्किल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना को लेकर देश के नाम अपने संदेश में कहा है कि राज्य सरकारों के लिए लॉकडाउन अंमित विकल्प होना चाहिए। इसके बदले केन्द्रिय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों को कड़ाई पूर्वक पालन किया जाना चाहिए तभी लोग मास्क लगाएं और दो गज की दूरी बनाएं रखें, इसके लिए शासन प्रशासन को कारगर कदम उठाने चाहिए। प्रधानमंत्री का कहना ठीक है लेकिन हमारे देश में ऐसे अकल के अंधों की कमी नहीं है जो अभी भी स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ पा रहे है और गाईड लाईन को ठेंगा दिखा रहे है। ऐसे बद्दिमाग लोगों के कारण ही कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। संबंधित राज्य सरकारें भी गाईड लाईन का कड़ाई पूर्वक पालन कराने में असफल हो रही है,यहां तक कि लॉकडाउन लगाने के बाद भी उन राज्यों में गाईड लाईन का पालन कराने के लिए जिम्मेदारी तय नहीं की गई है और न ही इसकी मानिटरींग हो रही है, ऐसे में तो लॉकडाउन का भी कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने बेहतर कदम उठाया है, वहां मास्क न पहनने वालों से 1000 रूपए जुर्माना वसूला जा रहा है और जो व्यक्ति दूसरी बार भी बगैर मास्क के पकड़ा जाता है उसपर 10,000 रूपए जुर्माना लगाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ही अन्य राज्यों को भी मास्क न लगाने वालों पर इसी तरह भारी भरकम जुर्माना लगाना चाहिए तभी लोग लापरवाही से तौबा करेंगे। दो गज की दूरी बनाएं रखना भी निहायत जरूरी है क्यों कि कोरोना की इस दूसरी लहर की रफ्तार बहुत तेज है। यह मिनटों में ही संक्रमित कर सकता है। इसलिए सर्वाधिक कोरोना प्रभावित राज्यों में दो गज की दूरी बनाएं रखने के लिए भी कड़े कानूनी प्रावधान किए जाने चाहिए और जो लोग अनावश्यक सड़कों पर नजर आते है और सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ लगाते है उन्हे गिरफ्तार कर जेल भेज देना चाहिए। जब तक इस तरह की कड़ाई नहीं बरती जाएगी तब तक कोरोना के संक्रमण को नहीं रोका

विचार

पाकिस्तान का नया सिरदर्द

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पाकिस्तान में इमरान-सरकार की मुसीबतें एक के बाद एक बढ़ती ही चली जा रही हैं। उसे तहरीके-लबायक पाकिस्तान नामक राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध भी लगाना पड़ गया और प्रतिबंध के बावजूद उससे बात भी करनी पड़ रही है। इस पार्टी पर इमरान-सरकार ने प्रतिबंध इसलिए लगाया है कि उसने पाकिस्तान के शहरों और गांवों में जबर्दस्त आंदोलन खड़ा कर दिया। कोरोना के बावजूद हजारों लोग सड़कों पर डटे हुए हैं। वे मांग कर रहे हैं कि फ्रांसीसी राजदूत को पाकिस्तान सरकार निकाल बाहर करे। क्यों ? क्योंकि फ्रांस में सेमुअल पेटी नामक एक अध्यापक ने पैगंबर मुहम्मद का कार्टून अपनी कक्षा में छात्रों को खोलकर दिखाया था। इस पर चेचन्या मूल के एक मुस्लिम नौजवान ने उसकी हत्या कर दी थी। उसे लेकर फ्रांसीसी सरकार ने मस्जिदों और मदरसों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। पिछले साल हुए इस कांड के समय से ही तहरीके-लबायक मांग कर रही थी कि फ्रांस और यूरोपीय देशों के इस इस्लाम-विरोधी रवैए का पाकिस्तान डटकर प्रतिकार करे। प्रधानमंत्री इमरान खान ने यूरोपीय राष्ट्रों के इस रवैए की आलोचना भी की लेकिन उन्होंने फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ने का समर्थन नहीं किया। इसीलिए अब तहरीके-लबायक ने इमरान-सरकार के खिलाफ देश-व्यापी आंदोलन छेड़ दिया है। 2015 में खादिम रिज़वी ने इस संगठन को खड़ा किया था और अब उनका बेटा साद रिजवी इसे चला रहा है। इस संगठन का जन्म मुमताज कादरी पर चले मुकदमे के दौरान हुआ था। कादरी ने लाहौर के राज्यपाल सलमान तासीर की इसलिए हत्या कर दी थी कि वे ईश-निंदा कानून का विरोध कर रहे थे। इस संगठन को शुरु में पाकिस्तानी फौज और सरकार का पूरा समर्थन रहा है। पाकिस्तान के सुन्नी कट्टरपंथी और शिया व अहमदिया-विरोधी तत्वों ने इसे जमकर हवा दी है। हालांकि पाकिस्तान की संसद और विधानसभाओं में इसके सदस्य कम हैं लेकिन इसका जनाधार काफी व्यापक है। इसीलिए एक ईसाई महिला आसिया बीवी को 2018 में जब ईश-निंदा के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के तीन जजों ने रिहा कर दिया तो रिजवी ने उन तीनों के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया था। उनकी हत्या की मांग भी की थी। इमरान सरकार ने लबायक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन आसिया बीवी को चुपचाप हालैंड भी भिजवा दिया। तहरीके-लबायक की जमीनी पकड़ इतनी मजबूत है कि उसके नेता पाकिस्तानी सेनापति क़मर जावेद बाजवा को 'अहमदिया' कहकर लांछित करते हैं लेकिन उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता है। इसीलिए पाकिस्तान की सरकार, चाहे वह मियां नवाज की हो या इमरान की हो, लबायक के नेताओं के साथ हमेशा हकलाती रहती है। पैगंबर के कार्टूनों को लेकर अन्य इस्लामी देशों ने भी अपना क्रोध प्रकट किया है लेकिन जैसी नौटंकी पाकिस्तान में चल रही है, उसे मोहम्मद अली जिन्ना देख लेते तो वे अपना माथा ठोक लेते।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष

आग का गोला न बन जाए धधकती धरती!

योगेश कुमार गोयल

> भारत के कई हिस्सों में इस साल जिस प्रकार मार्च महीने में ही बढ़ते पारे का प्रकोप देखा गया, वह जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, वहीं अब मार्च महीने में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचने लगा है। 2016 में राजस्थान के फलौदी का तापमान तो 51 डिग्री दर्ज किया गया था और इस तापमान में और वृद्धि की आशंका है। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनियां देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हम नहीं समझना चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे

तमाम तरह की सुख-सुविधाएं और संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों के कारण आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की भयावह समस्या से त्रस्त है। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के संकल्प के साथ प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को विश्वभर में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पिछले साल कोरोना महामारी के चलते दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में लगे लॉकडाउन के दौर में थम गई मानवीय गतिविधियों के कारण यह दिवस ऐसे समय में मनाया गया था, जब दुनियाभर के लोगों को पहली बार पृथ्वी को काफी हद तक साफ-सुथरी और प्रदूषण रहित देखने का सुअवसर मिला था। हालांकि कोरोना संकट के चलते लगाए गए लॉकडान के कारण पूरी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण को लेकर सोचने का बेहतरीन अवसर मिला था, जिससे दुनियाभर के तमाम देश एकजुट होकर ऐसी योजनाओं पर विचार सकें, जिनसे पर्यावरण संरक्षण में अपेक्षित मदद मिल सके लेकिन विड़म्बना देखिये कि लॉकडाउन हटते ही धरती की हालत धीरे-धीरे हर जगह पूर्ववत बदतर होती गई।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर हम वाकई चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा। लोगों को पर्यावरण एवं पृथ्वी संरक्षण के

लिए जागरूक करने के लिए साल में केवल एक दिन अर्थात् 22 अप्रैल को 'पृथ्वी दिवस' मनाने की औपचारिकता निभाने से कुछ हासिल नहीं होगा। अगर हम वास्तव में पृथ्वी को खुशहाल देखना चाहते हैं तो यही 'पृथ्वी दिवस' प्रतिदिन मनाए जाने की आवश्यकता है।

पृथ्वी दिवस पहले प्रतिवर्ष दो बार 21 मार्च तथा 22 अप्रैल को मनाया जाता था लेकिन वर्ष 1970 से यह दिवस 22 अप्रैल को ही मनाया जाना तय किया गया। 21 मार्च को पृथ्वी दिवस केवल उत्तरी गोलार्द्ध के वसंत तथा दक्षिणी गोलार्द्ध के पतझड़ के प्रतीक स्वरूप ही मनाया जाता रहा है। 21 मार्च को मनाए जाने वाले 'पृथ्वी दिवस' को हालांकि संयुक्त राष्ट्र का समर्थन प्राप्त है लेकिन उसका केवल वैज्ञानिक व पर्यावरणीय महत्व ही है जबकि 22 अप्रैल को मनाए जाने वाले 'पृथ्वी दिवस' का पूरी दुनिया में सामाजिक एवं राजनैतिक महत्व है। संयुक्त राष्ट्र में पृथ्वी दिवस को प्रतिवर्ष मार्च एक्विनोक्स (वर्ष का वह समय, जब दिन और रात बराबर होते हैं) पर मनाया जाता है और यह दिन प्रायः 21 मार्च ही होता है। इस परम्परा की स्थापना शांति कार्यकर्ता जॉन मक्कोनेल द्वारा की गई थी। वैश्विक स्तर पर लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए 22 अप्रैल 1970 को पहली बार पृथ्वी दिवस वृहद् स्तर पर मनाया गया था। तभी से हर साल 22 अप्रैल को यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया।

हालांकि पृथ्वी दिवस को मनाए जाने का वास्तविक लाभ तभी है, जब हम आयोजन को केवल रस्म अदायगी तक ही सीमित न रखें बल्कि धरती की सुरक्षा के लिए इस अवसर पर लिए जाने वाले संकल्पों को पूरा करने हेतु हरसंभव प्रयास भी करें। हमें बखूबी समझ लेना होगा कि अगर पृथ्वी का तापमान साल दर साल इसी प्रकार बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है और वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी जलवायु परिवर्तन में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

पृथ्वी पर बढ़ते दबाव का एक महत्वपूर्ण कारण बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि भी है। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर करीब 7.8 अरब हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसीलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। इससे पर्यावरण की सेहत पर जो प्रहार हो रहा है, उसी का परिणाम है कि धरती अब धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

बंगाल: रामपंथ या वामपंथ या खेला होबे

प्रवीण गुगनानी

> एक बात यह भी बड़ी विशेष है कि ममता राज में बंगाल पुलिस में भी मुस्लिम नियुक्ति का अनुपात भी बड़े आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ गया है. कम शिक्षित मुस्लिम समाज को अधिक शिक्षित हिंदू समाज की अपेक्षा अधिक नौकरियां मिलना भला बिना किसी उच्चस्तरीय षड्यंत्र के कैसे संभव है?! ममता दीदी द्वारा राज्य की 97 प्रतिशत मुस्लिम जनता को ओबीसी में सम्मिलित कर लिया जाना एक बड़ा सामाजिक अन्याय और असमानता उत्पन्न करने का कारण है यहां. इन कष्टप्रद व संघर्षप्रद परिस्थितियों में 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व यहां भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने संगठन सुदृढ़ करने हेतु मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व हरियाणा चुनाव में प्रभारी के तौर पर स्वयं को सिद्ध कर चुके कैलाश विजयवर्गीय को बंगाल भेजा।

बंगाली में एक कहावत है - डूबे डूबे झोल खाबा इसी भावार्थ की एक हिंदी कहावत है - ऊँट की चोरी नेवड़े नेवड़े नहीं हो सकती. दोनों ही कहावतो का एक सा अर्थ है कि बड़ी चोरी आज नहीं तो कल पकड़ी ही जायेगी. पश्चिम बंगाल में हिंदू हितों की चोरी भी ममता दीदी का एक ऐसा ही चोरी थी जिसे पकड़ा भी जाना तय था और उसका दंड मिलना भी तय था. तुर्रा यह था की यहां ममता दीदी द्वारा हिंदू हितो को चोरी करना या बलि चढ़ाने का कार्य डूबे डूबे झोल खाबा की शैली में नहीं बल्कि बड़ी ही बेशर्मी से सीनाजोरी करके किया जा रहा था. चोरी ऊपर से सीनाजोरी करने की ही हद थी जब ममता दीदी ने उनके द्वारा प्रतिवर्ष कराये जाने वाले एक कार्यक्रम में कहा था - ''पश्चिम बंगाल में 31 फ़ीसद मुस्लिम हैं इन्हें सुरक्षा देना मेरी ज़िम्मेदारी है और अगर आप इसे तुष्टीकरण कहते हैं तो मुझे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता है.'' यहां उल्लेखनीय है कि ममता दीदी उन्हें केवल सुरक्षा नहीं दे रही थी बल्कि मुस्लिमों को हिन्दुओं के विरुद्ध समय समय पर भड़का रही थी और हिंदुओं को बार बार चिढ़ा रही थी.

ममता दीदी पंडालों में दुर्गा पूजा व विद्यालयों में सरस्वती पूजा को रोक रही थी. मुहर्रम के कारण दुर्गा विसर्जन की तिथियां आगे बढ़ाई जा रही थी. मुस्लिमों हेतु नई सस्ती, सहज, आसान कर्ज नीति लाई जा रही थी,मुसलमानों हेतु नई रोजगार नीति लाई जा रही थी, मदरसों को धड़ाधड़ मान्यता व सहायता दी जा रही थी, इमामों मौलवियों को भत्ते, मुस्लिमों को आवास सब्सिडी, आवास भत्ता, फुरफुरा शरीफ डेवलपमेंट अथारिटी के माध्यम से वित्तीय सहायता से लाद देना, दो करोड़ बच्चों को छात्रवृत्ति, मुस्लिमों को उच्च शिक्षा व सरकारी नौकरी में 17त्न आरक्षण आदि आदि ऐसे कार्य थे जो मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए तीव्र गति से किये जा रहे थे.

ममता दीदी के लिए इस चुनाव में संकट बन चुके अब्बास सिद्दीकी भले ही भाजपा से चिढ़कर कहते हों किंतु कहते अवश्य हैं कि - ÷मुहर्रम के कारण दुर्गा विसर्जन की तिथि आगे बढ़ाये जाने के निर्णय गलत थे.

बंगाल में 35 वर्ष वामपंथ का शासन व 10 वर्ष ममता दीदी का शासन वस्तुतः ऐसा शासन था जिसमें राम के इस प्रदेश में राम का नाम लेना ही गुनाह हो गया था. वामी तो राम के विरोधी थे ही, दीदी उनसे भी बड़ी राम विरोधी निकली और चलती गाड़ी से स्वयं निकलकर जय श्रीराम के नारे

लगाते बच्चों को बड़ी ही निर्लज्जता से डांटने लगी थी. बच्चों को श्रीराम का नारा लगाने पर डांटना एक छोटी किंतु प्रतीकात्मक बड़ी घटना है जिसके बड़े ही विशाल अर्थ निकलते हैं.

अतीव ईश्वरवादी, संस्कृतिनिष्ठ व राष्ट्रप्रेमी प्रदेश बंगाल में 35 वर्षो तक अनीश्वरवादी व संस्कृति विरोधी वामियों व 10 वर्षों का ऐसा ही ममता जी का शासन अपने आप में आश्चर्य का ही विषय है. 45 वर्षों के इस रामविरोधी या यूं कहें हिंदू विरोधी शासनकाल में भाजपा बंगाल में 2016 तक एक एक विधानसभा सीट जिताने को भी तरसती रही थी. इसी मध्य चमत्कार हुआ जब 2018 के पंचायत चुनाव में भाजपा ने प्रतिशत मत लेकर सनसनी फैला दी थी. और फिर यहां से प्रारंभ हुई बंगाल में वामपंथ से रामपंथ की यात्रा जिसका अगला पड़ाव 2019 के लोकसभा चुनाव में आया और भाजपा को बंगाल ने जयश्रीराम कहते हुए 40 प्रतिशत मत व 42 में से 18 लोकसभा सीटें दे दी. वर्तमान समय में जबकि विधानसभा चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं तब बंगाल में पुराने वामपंथी भी एक सुर में यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि - ÷21 में राम और 26 में वाम÷ यानि वर्तमान में सत्ता ममता से लेकर भाजपा को दे दो और फिर 2026 के विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चा की सरकार पुनः ले आओ. आश्चर्यजनक है किंतु यही सत्य है. बंगाल में मैदानी स्तर पर यह बात सतह से ऊपर आकर दिख रही है. बंगाल में मृत्युशैया पर पड़े वामपंथ का अब यही मंतव्य भी है और नियति भी. सार यह कि ममता को सबक सिखाने का मन बंगाल ने बना लिया है.

ये सब अचानक नहीं हुआ है, मुस्लिम तुष्टिकरण की दीदी की नीति ने बंगाल की जनता को विवश कर दिया था. भाजपा के घोर विरोधी व ममता के समर्थक माने जाने वाले नोबेल सम्मानित अर्थशास्त्री अमृत्य सेन की संस्था प्रतीचि ट्रस्ट ने अपनी 2016 की रिपोर्ट ÷लिविंग रिएलिटी ऑफ़ मुस्लिम्स इन वेस्ट बंगाल÷ में कहा गया था कि तृणमूल के प्रभाव वाले क्षेत्रों में मुसलमानों की स्थिति अन्य लोगों की अपेक्षा बहुत सुधर गई है. हावड़ा के पंचपारा मदरसे के बड़े इमाम के अनुसार - ÷ममता बनर्जी के आने के बाद से स्थिति बेहतर हुई है. अब बच्चों को राशन, कपड़ा, किताबें सब कुछ मिलता है. पुरानी सरकार की तुलना में इस सरकार ने बेहतर काम किया है हुबली के एक शख्स मोहम्मद फ़ैसल का कहना है कि ÷दीदी ने जो काम किया है, उसके बाद दीदी के ख़िलाफ़ कोई नहीं जा सकता है. दीदी ने जो हम लोगों के लिए किया है, हमारे बच्चों के लिए किया है, वैसा कभी नहीं हुआ. हम लोग बहुत खुश हैं दीदी के राज में. दीदी ने हम लोगों का बहुत ध्यान रखा है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आग लगा खुद

आग लगा खुद कोस रहे हो ये कितनी नादानी है दूध पिलाया, पानी न पाया, कितनी कथा पुरानी है रोपा विरबा बिकवाली का, चहुं ओर बदहाली है भरा हुआ समझा वादों का, देखो कनस्तर खाली है देने वाला आज के युग का , दर-दर बना सवाली है युग उद्धारक समझा जिसको, पूरा नकली जाली है।

- केदार नाथ शब्द मसीहा

आ मात कल्याणी

आ मात कल्याणी करें तेरा सुआगत हम वरदान ये दे दो रहें बस साधना रत हम धर रूप कन्या आ हमें है दर्श की आशा अनमोल इस जीवन हृदय रखते यही लत हम आओ महा माया चरण रज माथ पर धर कर करते तुम्हें माता नमन है आज शत शत हम

- रजनी रामदेव

खास पाती

अपने चहरे से ये पर्दा तुम

अपने चहरे से ये पर्दा तुम हटाओ तो सही छोड़ के शर्म ओ हया पलकें उठाओ तो सही धड़कनों से भी ज़ियादा आप हमको हो अज़ीज़ आज वो अल्फ़ाज़ फिर से दोहराओ तो सही तुम चुराते हो नज़र हमसे परायों की तरह जान भी देंगे वफ़ा हमसे निभाओ तो सही जान जाओगे ज़मीं और आसमां में फ़र्क़ क्या हमको अपनी ज़िंदगी से तुम घटाओ तो सही अब तलक अपनी अना में ही जिये हो ज़िंदगी रब के आगे सिर कभी अपना झुकाओ तो सही माना मिलता है जो कुछ भी, वो नसीबों से, मगर तुम पसीना अपना, माटी में बहाओ तो सही हर सफ़र आसान होगा, रब भी देगा साथ फिर गिर पड़े जो राह में उनको उठाओ तो सही।

- सुरेश अग्रवाल

लोग कहते हैं, किसी ने मंदिर

लोग कहते हैं, किसी ने मंदिर मांगा.. किसी ने मस्जिद मांगा.. कोई गुरूद्वारा.. तो कोई चर्च.. चिकित्सालय किसी ने नहीं मांगा तो आज यह दुर्दशा है.. एक बात और जोड़ लीजिए, 73 साल पूरे हो चुके हैं आरक्षण के, अगर हमें अभी भी आरक्षण की जरूरत महसूस होती है तो यह मिलने से भी कुछ फायदा नहीं होने वाला.. अगर आप अपने में थोड़ा बदलाव ला सकें तो आरक्षण और डोनेशन पर एडमिशन की जगह प्रतिभा को बढ़ावा दीजिए.. परिश्रम को महत्व दीजिए, शायद इसका कुछ फायदा हमारी आने वाली पीढ़ियों को मिल सके। - मीनाक्षी सिंह भरद्वाज

कभी चुपचाप जब बैठूँ तुम्हारी याद

कभी चुपचाप जब बैठूँ तुम्हारी याद आती हैमैं जब जब आइना देखूँ तुम्हारी याद आती है। कोई आवाज़ देता है मेरी धड़कन की धक धक में जो इस दिल की ज़रा सुन लूँ तुम्हारी याद आती है।।

- चारु अग्रवाल

मुक़द्दर जब भी चाहेगा बदल जाएगी

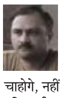

मुक़द्दर जब भी चाहेगा बदल जाएगी दुनिया भी तुम्हें बस छोड़कर तन्हा निकल जाएगी दुनिया भी किसी को लाख चाहोगे, नहीं अपना बना सकते मुहब्बत है अगर दुनिया, तो ढल जाएगी दुनिया भी तुम्हारा वक़्त अच्छा हो सभी अपना ही मानेंगे तुम्हारे साथ फूलों पर तो चल जाएगी दुनिया भी बदल हालात जब जाएं बदलकर राह निकलेगी अगर हालात अच्छे हो तो जल जाएगी दुनिया भी इसे मत आईना दिखला बुरा लगता है इसको तो कहेगा सच अगर तू तो उबल जाएगी दुनिया भी। - मित्र ग़ाज़ियाबादी

लिखना मेरे लिए ज़िन्दगी को

लिखना मेरे लिए ज़िन्दगी को संगीत सा करना है । फिर चाहे उससे प्रेम की धुन निकले या मेरा दुःख बज उठे। एकांत नाचे मेरा या मैं बागी हो जाऊं घुँघरू सी थिरकन कायम रहे ज़िन्दगी ... तू ताल मिला तो सही ऊंचा कोई राग सुना तो सही। - कल्पना पाण्डेय

एक अहद की बात है गुजर

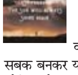

एक अहद की बात है गुजर जाएगा मुस्कुराहटों का वो दौर फिर आएगा कौन बच पाया है बुरे दौर से यहाँ, सबक बनकर याद ये सफर आएगा यूँ टूटकर बैठना मुनासिब नहीं अब कोशिश तो कर हल नजर आएगा। - मीना सोनी

ये दौर भी बीत जाएगा और

ये दौर भी बीत जाएगा और हां जब बीत जाए तो यह याद रखना कि मदद करने वालों ने बिना जाती, धर्म या मजहब पूछे ही मदद को हाथ आगे बढ़ाया था। इस दौर के बाद इंसानियत जिंदाबाद रखना, मोहब्बत जिंदाबाद रखना दोस्तों ? पथिक मनीष

QUIZ TIME

1) उस पुर्तगाली कराधान व्यवस्था का क्या नाम था, जिसके अंतर्गत प्रत्येक व्यापारी जहाज को गोवा के वायसराय से अनुमति प्राप्त करनी पड़ती थी?

2) 1829 में 'अधिनियम 17' के माध्यम से लार्ड विलियम बैटिंक ने किस सामाजिक कुरीति का उन्मूलन किया था?

3) मृणाल सेन की 1969 में प्रदर्शित हिंदी फिल्म 'भुवन सोम' किस बंगाली उपन्यासकार की कहानी पर आधारित थी?

4) किस यूनानी पौराणिक चरित्र को वरदान के रूप में भविष्यवाणी की क्षमता प्राप्त हुई थी, किंतु साथ ही उसे यह शाप भी मिला था कि उसकी बातों पर कभी किसी को विश्वास नहीं होगा?

5) मराठी सिनेमा और मराठी थिएटर में मुख्य रूप से काम करने वाले भारतीय फिल्म निर्माता का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कार्टाज (2) सती (3) बी.सी.बंद्योपाध्याय की, 'बोनफूल' (4) कैसेंड्रा (5) सुमित्रा भावे

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1500- पुर्तगाली नाविक पेड्रो अलवेयर कैब्राल ने ब्राजील की खोज की। 1792- अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने यूरोप के युद्ध में तटस्थता की घोषणा की। 1870- रूस के मार्क्सवादी विचारक व्लादीमीर लेनिन का जन्म। 1884- थॉमस स्टीवंस ने दुनिया भर में पहली बाइक यात्रा शुरू की। 1898- अमेरिकी राष्ट्रपति मैककिनले क्यूबा ने बंदरगाहों की नाकाबंदी का आदेश दिया। 1915- जर्मनी की सेना ने प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान पहली बार जहरीली गैस क्लोरीन का इस्तेमाल किया। 1921- स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश सेवा के लिए भारतीय सिविल सेवा की नौकरी से इस्तीफा दिया। 1931- मिस्र और इराक ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। 1954- तत्कालीन सोवियत रूस यूनेस्को में शामिल हुआ। 1958- एडमिरल आर डी कटारी भारतीय नौसेना में पहले प्रमुख बने। 1970- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया। 1983- अंतरिक्ष यान सोयूज टी-8 पृथ्वी पर लौटा। 1992- मेक्सिको में सीवर गैस विस्फोट में करीब 200 लोगों की मौत। 2005- बांडुंग (इंडोनेशिया) में दूसरे एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन की शुरूआत हुई। 2008- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लुडविग नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2013- भारतीय कर्नाटक वायलिन वादक, गायक और संगीतकार लालगुडी जयरामन का निधन। 2016- संयुक्त राष्ट्र ने जलवायु परिवर्तन संबंधी पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किये।

सारा अली खान और जाह्नवी कपूर के बीच है जबरदस्त बॉन्डिंग

मुंबई। सारा अली खान और जाह्नवी कपूर की तुलना हमेशा उनकी फिल्मों की वजह से होती रही है लेकिन असल जिंदगी में दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। सारा अली खान ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें दोनों साथ में वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। सारा अली खान और जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं। दोनों को अक्सर मुंबई में जिम के बाहर पैपराजी द्वारा स्पॉट किया जाता है। सारा के इस वीडियो में दोनों स्विमिंग पूल के किनारे हैं और वर्कआउट कर रही हैं। उनके साथ उनकी ट्रेनर नम्रता पुरोहित भी हैं। जो दोनों पर निगरानी रखे हुए हैं। सारा और जान्हवी साथ में कई तरह की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस दौरान दोनों एक दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराती भी हैं। सारा ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'इसी तरह आपको गोल्डन ग्लो मिलेगा।' ये वीडियो कहां बनाया गया है उन्होंने ये नहीं बताया है। सारा पिछले कुछ समय से लगातार छुट्टियां मना रही हैं। गोवा, गुलमर्ग के बाद अभी वो मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं।

जया प्रदा ने 'इंडियन आइडल 12' के सेट पर किया धमाल

मुंबई। सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' में बीते हफ्तों में हेमा मालिनी और रेखा को देख चुके हैं। अब इस वीकेंड 80 के दशक में सिनेमा पर राज करने वालीं अभिनेत्री जया प्रदा आएंगी। जया प्रदा जज की कुर्सी पर बैठकर कंटेस्टेंट के गाने सुनेंगी। कंटेस्टेंट उन्हें समर्पित करते हुए उनकी फिल्मों के हिट गाने गाएंगे।

सोनी टीवी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें सबसे पहले कंटेस्टेंट दानिश गाना 'दे दे प्यार दे' गाते हैं। जया प्रदा गाने की तारीफकरती नहीं थकती। इसके बाद वह स्टेज पर जाती हैं और अपने मशहूर गाने 'ढपली वाले ढपली बजा' पर डांस भी करती हैं। वहीं संगीतकार विशाल ददलानी इस दौरान ढपली बजाते हैं। इसके अलावा जया प्रदा 'मुझे नौलखा दिला दे रे', 'तोहफा' सहित अन्य गानों पर डांस करती नजर आती हैं। जया प्रदा मस्ती करने से भी नहीं चूकतीं और वह एक कंटेस्टेंट के माथे पर चम्पी करती दिखती हैं। जया प्रदा के साथ जज की कुर्सी पर विशाल ददलानी और हिमेश रेशमियां होंगे। आने वाले एपिसोड्स में नेहा कक्कड़ नजर नहीं आएंगी। उन्होंने शूटिंग नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक नेहा कक्कड़ ने दूसरे शोज को कमिटमेंट दे रखी थी।

माधुरी ने किया 'बाजरे दा सिट्टा' चैलेंज

मुंबई। माधुरी दीक्षित अपने दमदार अभिनय और डांस एक्सप्रेशंस के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वो डांस रियलिटी शो 'डांस दीवाने 3' में बतौर जज नजर आ रही हैं। इसके अलावा माधुरी सोशल मीडिया पर भी अपने कुछ मजेदार वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। अब उन्होंने जो वीडियो शेयर किया है निश्चित रूप से आप उसे मिस नहीं करना चाहेंगे। माधुरी दीक्षित का ये वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया है। वीडियो में वो 'बाजरे दा सिट्टा' चैलेंज लेती दिख रही हैं। चैलेंज की शुरुआत तब हुई जब ऑनलाइन क्रिएटर्स ने मेकअप के पहले और मेकअप के बाद के लुक के साथ वीडियो बनाया। बस फिर क्या था 'बाजरे दा सिट्टा' गाने पर ऐसे वीडियो की भरमार देखने को मिली। माधुरी दीक्षित ने भी इस चैलेंज को स्वीकार किया। वीडियो की शुरुआत में माधुरी अपने ग्रीन रूम में बिना मेकअप के बैठी होती हैं। अगली क्लिप में वो अपने ट्रांसफॉर्मेशन लुक में नजर आती हैं जिसमें वो पिंक कलर के गुलाबी लहंगे में होती हैं। इसके साथ उन्होंने डायमंड नेकलेस और इयररिंग्स पहने हैं। गाने में हमेशा की तरह माधुरी के एक्सप्रेशंस कमाल के हैं। माधुरी का ये लुक 'डांस दीवाने 3' के दौरान का है। ऐसे में साफहै कि शूटिंग से वक्त मिलते ही उन्होंने ये वीडियो बनाया है। बीते दिनों माधुरी ने नोरा फतेही के साथ वीडियो पोस्ट किया था जिसमें दोनों ने 'एक दो तीन' और 'दिलबर' गाने पर डांस करती नजर आईं।

कंगना रनौत ने तीसरे बच्चे पर की जेल की मांग

नई दिल्ली। कंगना रनौत सोशल मीडिया पर अपने ट्वीट्स के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने ट्वीट किया कि जनसंख्या पर कंट्रोल के सख्त कानून बनने चाहिए। उन्होंने तीसरे बच्चे के पैदा होने पर लोगों को फाइन और जेल भेजने तक की बात लिखी थी। इस पर लोग कंगना को ट्रोल कर रहे हैं और याद दिला रहे हैं कि उनके खुद दो और भाई-बहन हैं।

कंगना ने लिखा है, हमें जनसंख्या कंट्रोल के लिए सख्त कानून बनाने चाहिए। वोट पॉलिटिक्स बहुत हुई। ये सच है कि इंदिरा गांधी इलेक्शन हार गई थीं और बाद में इस मुद्दे को उठाने की वजह से मार दी गई थीं क्योंकि उन्होंने लोगों को स्टरलाइज (बच्चे पैदा करने में असमर्थ बनाना) कर दिया था। पर इस वक्त क्राइसिस को देखते हुए तीसरे बच्चे पर कम से कम फाइन या जेल की सजा होनी चाहिए।

न्यूज गैलरी

कोविड-19 की दूसरी लहर का असर : कम हुये हवाई यात्री

नई दिल्ली (वार्ता)। कोविड-19 की दूसरी लहर का असर विमानन क्षेत्र पर दिखना शुरू हो गया है और अनलॉक के बाद पहली बार मार्च में घरेलू मार्गों पर हवाई यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2021 में उड़ानों में खाली सीटों की संख्या बढ़ गई है। इससे देश में हवाई यात्रियों की संख्या एक माह पूर्व की तुलना में घटकर 78 लाख 22 हजार रह गई। फरवरी में घरेलू मार्गों पर 78 लाख 27 हजार यात्रियों ने सफर किया था। पिछले साल कोरोना की पहली लहर के समय दो महीने तक नियमित उड़ानें पूरी तरह बंद रहने के बाद यह पहला मौका है जब माह दर माह आधार पर हवाई यात्रियों की संख्या कम हुई है। यह तब हुआ है जब उड़ानों में कोई कटौती नहीं की गई है। इससे पहले अनलॉक शुरू होने के बाद से यात्रियों की संख्या हर महीने बढ़ रही थी। पिछले साल 25 मई से नियमित घरेलू उड़ानें दुबारा शुरू की गई थीं। मई 2020 में सात दिन में 2.81 लाख यात्रियों ने ही सफर किया था। जून 2020 में यह संख्या बढ़कर 19.84 लाख, जुलाई में 21.07 लाख, अगस्त में 28.32 लाख, सितंबर में 39.43 लाख, अक्टूबर में 52.71 लाख, नवंबर में 63.54 लाख और दिसंबर 2020 में 73.27 लाख पर पहुंच गई। इस साल जनवरी में 77.34 लाख और फरवरी में 78.27 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की। लेकिन मार्च में यात्रियों की संख्या घटकर 78.22 लाख रह गई।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार छठे दिन स्थिर

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बुधवार को लगातार छठे दिन स्थिर रहीं। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल आज 90.40 रुपये और डीजल 80.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। पंद्रह दिन स्थिर रहने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने ग?त 15 अप्रैल को इनमें कटौती की थी। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे। पेट्रोल-डीजल के दाम की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

हरियाणा करेगा खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 की मेज़बानी

चंडीगढ़ (वार्ता)। 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021' के चौथे संस्करण का आयोजन हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, शाहबाद, दिल्ली और चंडीगढ़ में 21 नवम्बर से पांच दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा जसमें जिसमें अंडर-18 वर्ग की खेल स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इन खेलों के साथ ब्रिक्स गेम्स-2021 की कुछ स्पर्धाओं का भी आयोजन किया जाएगा। ब्रिक्स देशों में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

हरियाणा के मुख्य सचिव विजय वर्धन की अध्यक्षता में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के लिए गठित कार्यकारी समिति की मंगलवार को यहां हुई पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ निदेशक सत्य नारायण मीणा भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्य सचिव ने सम्बंधित अधिकारियों और विभागों को निर्देश दिये कि इन खेलों के आयोजन से सम्बंधित आधारभूत संरचना समेत सभी तैयारियां करने में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया गेम्स का उद्घाटन समारोह का आयोजन कोविड-19 के नियमों के अनुसार करने, प्रतिष्ठित खिलाड़ियों तथा जिन राज्यों के पारम्परिक खेलों का प्रदर्शन किया जाएगा उनके प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने, ब्रिक्स देशों के उच्चायुक्तों को आमंत्रित करने के निर्देश दिये।

बैठक में खेलो इंडिया गेम्स के विशेष कार्याधिकारी पंकज नैन ने बताया कि हरियाणा में होने वाले इन खेलों में 25 विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें गतका, कलारीपयट्ट, थांग-ता, मलखंभ और योग जैसे पांच पारम्परिक खेलों का भी आयोजन किया जाएगा। इन खेलों में देश और विदेश से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021' में लगभग 8500 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, स्पोर्ट्स प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। खेलों का आयोजन हरियाणा सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

कोरोना संकट के बावजूद कृषि निर्यात में 18.49 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना संकट के बावजूद गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2020..21 के दौरान कृषि और इससे संबंधित वस्तुओं के निर्यात में 18.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 के दौरान कृषि और इससे संबंधित वस्तुओं का निर्यात 2.74 लाख करोड़ था जबकि इसके पूर्व के वर्ष में इसी अवधि के दौरान कृषि वस्तुओं का निर्यात 2.31 लाख करोड़ रुपए था। इससे स्पष्ट होता है निर्यात में 18.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019..20 के दौरान देश से कृषि और संबंधित वस्तुओं का निर्यात 2.52 लाख करोड़ का था जबकि आयात 1.47 लाख करोड़ रुपए का था।

इस साल निर्यात सकारात्मक दायरे में रहेगा: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने मंगलवार को बताया कि देश का निर्यात पिछले कुछ महीनों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा वित्तवर्ष में इसमें और भी तेजी देखने को मिलेगी। उनके मुताबिक पिछले साल अप्रैल में निर्यात में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी थी लेकिन धीरे-धीरे चीजें सुधरनी शुरू हुई और निर्यात सकारात्मक दायरे में आया। यही वजह है कि अब पूरा भरोसा है कि वित्त वर्ष 2021-22 में देश मजबूत वृद्धि के रास्ते पर होगे।

अनूप वधावन ने कहा इसमें कोई भी संदेह नहीं है लेकिन मैं वृद्धि के आंकड़े का कोई अनुमान नहीं जताना चाहता। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2020 से देश के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि जारी है। इस साल मार्च में निर्यात 60.29 प्रतिशत बढ़कर 34.45 अरब डॉलर रहा। हालांकि, 2020-21 में निर्यात 7.26 प्रतिशत घटकर 290.63 अरब डॉलर रहा। अमेरिका और चीन के साथ व्यापार अंतर के बारे में पूछे जाने पर वाणिज्य सचिव ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष की स्थिति रही।

कोरोना की दूसरी लहर अर्थव्यवस्था की रिकवरी के लिए घातक-नोमूरा

नई दिल्ली। देश में लगातार कोविड-19 संक्रमण के 2.5 लाख से अधिक मामले देश की आर्थिक रिकवरी के लिए चिंताजनक बन रहे हैं। नोमूरा का आर्थिक गतिविधियों के इंडेक्स नोमूरा इंडिया बिजनेस रिजर्वेशन इंडेक्स के मुताबिक लगातार कोरोना के बढ़ रहे मामले देश की आर्थिक रिकवरी के चिंता का विषय बन सकता है। NIBRI को 100 के करीब पहुंचने में लगभग एक साल का समय लगा, जो गतिविधि के महामारी पूर्व स्तरों को पकड़ती है। यह 21 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 99.3 पर पहुंची थी। तब से आठ सप्ताह में नवीनतम डेटा 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के लिए उपलब्ध है। उसके बाद यह लगातार गिरकर 83.8 पर आ गया। 25 अक्टूबर 2020 को समाप्त सप्ताह में NIBRI 83.8 से कम था। यह उस सप्ताह 83.3 था। इन नंबरों से दूसरी लहर के दुष्प्रभाव को समझा जा सकता है। NIBRI को 83.3 से 99.3 तक पहुंचने में सत्रह सप्ताह लगे, लेकिन उन लाभों को पूर्ववत करने के लिए इसे केवल आठ सप्ताह लगे। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी इससे और बुरा समय आना बाकी है क्योंकि ज्यादातर राज्य मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण संक्रमण में बढ़ोतरी रोकने के लिए लॉकडाउन का सहारा ले रहे हैं।

नोमूरा के अर्थशास्त्री सोनल वर्मा और अरूदीप नंदी ने कहा कि पिछले सप्ताह से लॉकडाउन की कठोरता के साथ नहीं बढ़ाया गया है। यह अस्थायी हो सकता है क्योंकि राज्य अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक दबाव न पड़े इस कारण सख्त प्रतिबंध लगा रहे हैं।

महेंद्र सिंह धोनी के माता पिता कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के माता-पिता कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। धोनी के माता-पिता क रांची के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों का पल्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल के अनुसर धोनी के माता पिता की हालत सामान्य है। उनका ऑक्सीजन लेवल भी ठीक है और संक्रमण फेफड़ों तक नहीं पहुंचा है। धौनी आइपीएल 2021 में व्यस्त हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान धोनी अभी मुंबई में हैं। आज चेन्नई का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स से होना है।

गौरतलब है कि धोनी का परिवार उत्तराखंड से है। उनके पिता पान सिंह साल 1964 में रांची स्थित मेकॉन में जूनियर पद पर नौकरी मिलने के बाद झारखंड (तत्कालीन बिहार) में रहने लगे। देश में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 1,56,16,130 हो गई है, जिसमें से 182,553 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस समय देश में एक्टिव केस की संख्या 21,57,538 है। गौरतलब है कि दुबई में पिछले साल हुए आईपीएल के बाद धोनी ने लगातार अपने परिवार के साथ वक्त बिताया है।

भारत पहली बार करेगा डब्ल्यूबीसी इंडियन चैंपियनशिप की मेजबानी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय पेशेवर मुक्केबाजी एक ऐतिहासिक मुकाबले का गवाह बनने वाली है, क्योंकि भारत पहली बार विश्व मुक्केबाजी परिषद (डब्ल्यूबीसी) इंडियन चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है।

दरअसल डब्ल्यूबीसी ने एक मई को जालंधर में चांदनी मेहरा और सुमन कुमारी के बीच इंडियन चैंपियनशिप मुकाबले का समर्थन किया है, जिसे देश में पेशेवर मुक्केबाजी में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। लाइटवेट 140 पाउंड (लगभग 63.5 किग्रा) भार वर्ग में ' एलजेड प्रमोशन इंडिया अनलीश्ड-फाइट नाइट ' के नाम से होने वाला यह मुकाबला देश की पहली पेशेवर अमेरिकी मुक्केबाजी प्रतियोगिता होगी। यह न केवल एक ऐतिहासिक मुकाबला होगा, बल्कि भारत में महिला पेशेवर मुक्केबाजों और मुक्केबाजी के लिए भी एक बड़ा कदम होगा। चांदनी और सुमन क्रमशः लाइटवेट और फेदरवेट वर्ग में देश की शीर्ष पेशेवर मुक्केबाज हैं और अब दोनों इस ऐतिहासिक मुकाबले में एक-दूसरे को चुनौती देंगी। दोनों मुक्केबाजों की कोशिश पुरूष एवं महिला वर्ग में देश का पहला डब्ल्यूबीसी इंडिया चैंपियन बनने की होगी।

एलजेड प्रमोशन एवं इंडिया अनलीश्ड प्रमोटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परम गौरैया ने कहा, ÷ इस पहल से भारत में पेशेवर मुक्केबाजी में बड़ा बदलाव आएगा। मेरा मानना है कि पुरुष और महिला वर्ग की पेशेवर मुक्केबाजी में समान रूप से बड़ी संभावनाएं हैं। मेरी कोशिश भारत की पहली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप (पुरुष और महिला) को बढ़ावा देने की है।

संभावना

शिखर धवन की 45 रन की उपयोगी पारी और ललित यादव के नाबाद 22 रन से जीता दिल्ली

दिल्ली ने मुंबई इंडियंस को छह विकेट से दी शिकस्त

चेन्नई (वार्ता)। लेग स्पिनर अमित मिश्रा (24 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी, ओपनर शिखर धवन की 45 रन की उपयोगी पारी और ललित यादव की नाबाद 22 रन की महत्वपूर्ण पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल के मुकाबले में मंगलवार को छह विकेट से हराकर चार मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की ।

दिल्ली ने मुंबई को 20 ओवर में नौ विकेट पर 137 रन के मामूली स्कोर पर रोकने के बाद 191 ओवर में चार विकेट पर 138 रन बनाकर जीत अपने नाम की। दिल्ली के लिए ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ ने 29 गेंदों में चार चौकों के सहारे 33 रन , शिखर ने 42 गेंदों पर महत्वपूर्ण 45 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। शिखर का विकेट 100 के स्कोर और कप्तान ऋषभ पंत का विकेट 115 के स्कोर पर गिरा। लेकिन इसके बाद ललित यादव ने 25 गेंदों में एक चौके की मदद से नाबाद 22 और शिमरॉन हेत्माएर ने नौ गेंदों पर दो चौकों के सहारे 14 रन बनाये।

हेत्माएर ने कीरोन पोलार्ड के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाया जबकि अगली गेंद पर नोबॉल पड़ते ही दिल्ली को जीत मिल गयी । दिल्ली को चेन्नई में 2010 के बाद से पहली जीत मिली। दिल्ली अब अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि मुंबई चार मैचों में दूसरी हार के बाद अब चौथे स्थान पर आ गयी है। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मुंबई ने क्विंटन डी कॉक के रूप में अपना पहला विकेट तीसरे ओवर में मार्कस स्टॉयनिस की गेंद पर गंवाया। डी कॉक एक ही रन बना सके और विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों लपके गए। कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। आवेश खान ने सूर्यकुमार को पंत के हाथों कैच कराया। सूर्य ने 15 गेंदों पर 24 रन में चार चौके लगाए। पारी के नौवें ओवर में मिश्रा ने अपना कमाल दिखाया और तीन गेंदों में रोहित और हार्दिक पांड्या को पवेलियन भेजकर दिल्ली का पलड़ा भारी कर दिया।

कोरोना ने सिखाया छह नहीं 12 महीने का बनाएं आपात कोष

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर ने सबकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पिछले साल मार्च लेकर मई तक पूर्ण लॉकडाउन के बाद कई मोर्चों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। कंपनियों की बंदी से छंटनी करनी पड़ी और रोजगार के अवसर भी घटे। पिछले एक साल से बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार बैठे हैं। ऐसे में वित्तीय मुसीबत से बचने के लिए कोरोना ने सिखा दिया है कि अब छह नहीं 12 महीने का आपात कोष (इमर्जेंसी फंड) बना कर रखना ही समझदारी भरा फैसला है। यह ऐसी बचत राशि है जो आपकी नौकरी छूट जाने की स्थिति में आपके हर माह के जरूरी खर्च के लिए पर्याप्त होती है। आपके हर माह का खर्च तय होता है। इसमें रसोई से लेकर बच्चों की स्कूल फीस, कर्ज की ईएमआई और कुछ अन्य खर्च होते हैं। नौकरी छूट जाने पर भी यह खर्च आप बंद नहीं कर सकते हैं। हालांकि, इमर्जेंसी फंड कितनी अवधि का को इसके लिए कोई मानक तय नहीं है और यह आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर करता है। इसके बावजूद कम से कम एक साल के लिए इमर्जेंसी फंड जरूर रखें। सामान्य तौर पर हम बचत खाता में जमा को इमर्जेंसी फंड मानने की गलती कर बैठते हैं। जबकि उसमें से लगातार सभी काम के लिए राशि निकलती रहती है।

विसर्जन: लॉकडाउन उड़ाई जा रही धज्जिया, ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच व कोटवार बेपरवाह

- ज्योति विसर्जन के लिए बेधड़क इकट्ठे हुये लोग
- ग्राम पंचायत कटंगी का मामला प्रकाश में आया है
- लगभग पाँच सौ लोगो की भीड़ हुई इकट्ठी

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरीया। शासन प्रशासन की ओर से पत्र जारी कर गाइडलाइन भी जारी किया गया था और नियमो का कड़ाई से पालन करने के शक्त निर्देश भी दिये गए थे।लेकिन कई जगहो पर इसकी जमकर धज्जिया उड़ाई जा रही है इस ओर प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है और कार्यवाही भी शून्य नजर आ रही है। शासन प्रशासन की गाइडलाइन का पालन होते दिखाई नहीं दे रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार पूरे जिले को कंटेनमेंट जोन घोषित कर बहुत से सार्वजनिक कार्यक्रमो मे पाबंदी लगाई गई है जो झुठलाती नजर आ रही है। इस ओर न ही सरपंच का ध्यान गया और न ही सचिव का।

ज्ञात हो की कल बुधवार नवरात्रि का आखिरी दिन था और कलश विसर्जन का दिन था इसी कड़ी मे ग्राम पंचायत कटंगी के शीतला मंदिर मे ज्योति कलश विसर्जन के लिए सैकड़ो की संख्या मे श्रद्धालु इकट्ठे हो गए। ग्राम कटंगी के शीतला मंदिर प्रांगण मे 4 से 5 सौ की संख्या में लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी थी। जिससे देख ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो किसी को कोरोना का खौफ नहीं। घंटे भर श्रद्धालुओ की भीड़ लगी रही पर कोई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद नहीं था। इस तरह प्रशासनिक अधिकारिओ पर भी सवाल खड़े हो रहे है आखिरकार अधिकारी लापरवाह कैसे?

ग्राम पंचायत की सर्वप्रथम ज़िम्मेदारी ग्राम सचिव या कोटवार की

ग्राम पंचायतों मे मुख्य भूमिका जनप्रतिनिधियो में सरपंच और प्रशासनिक कर्मचारी में सचिव और कोटवार की होती है इस दौरान सचिव भी नदारद थी। ग्राम पंचायत सचिव ज़िम्मेदारी की कार्यप्रणाली पर आस पास के ग्रामीणो ने सवाल खड़े कर रहे है। वही सचिव के मोबाइल पर संपर्क करने पर सचिव का नंबर भी बंद आना संदिग्धता को जाहीर करता है।

कलेक्टर ने किया था गाइडलाइन जारी :- राजनंदगांव कलेक्टर द्वारा इसके संबंध मे गाइडलाइन भी जारी किए गए है आदेश पत्र क्रमांक 1769 दिनांक 17 अप्रेल 2021 को पत्र मे सरल क्रमांक 14 मे लिखा गया था की सभी प्रकार की सभा जुलूस सामाजिक धार्मिक एवं राजनैतिक आयोजन इत्यादि पूर्णतः प्रतिबंध रहेंगे। किन्तु इस बात को अंधेखा कराते हुये लॉकडाउन की जमकर धज्जिया उड़ाई गई।

> जैसे ही हमे जानकारी मिल रही है कार्यवाही की जा रही है ठीक वैसे ही जानकारी हुई तो सरपंच व कोटवार को कहकर उस भीड़ को कम कराया गया है।
>
> **त्रिभुवन वर्मा,** तहसीलदार गंडई

न्यूज गैलरी

दो दिन में कोरोना ने एक ही परिवार के उजाड़ दिए दो सुहाग

महासमुंद नवप्रदेश। दो दिन पहले कोरोना ने महासमुंद में जिस बेटे को लील लिया था अब उसके बाप का भी कोरोना के कारण मौत हो गया। परिवार में कुल 6 सदस्य हैं और दो का कोरोना के कारण मौत हो चुका है। शहर के पुराना मलेरिया ऑफिस मोहल्ले में रहने वाले कोरोना पीड़ित रेखराम कुम्भकार का इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गया। लगातार कुछ दिनों के अंदर दो मौतें हो जाने से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। दोनों मृतक आपस में पिता-पुत्र हैं। 19 अप्रैल को कोरोना से रेखराम कुम्भकार के 38 वर्षीय पुत्र डॉ.टोमन कुम्भकार का महासमुंद में इलाज़ के दौरान मौत हुआ था। वहीं, मंगलवार को 60 वर्षीय रेखराम कुम्भकार का भी इलाज के दौरान अस्पताल में ही मौत हो गया। रेखराम कुम्भकार कृषि विभाग गरियाबंद में बड़े बाबू के पद पर पदस्थ थे, लॉकडाउन लगने पर अपने घर महासमुंद आए हुए थे। पुत्र डॉ. टोमन कुम्भकार भलेसर रोड में क्लीनिक चलाते थे। मित्रगणों ने दोनों मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

बजरंग दल ने मनाया श्रीरामनवमी पर्व

महासमुंद। रामनवमी के पावन पर्व पर बजरंग दल महासमुन्द के द्वारा शितला मंदीर के श्रीराम जानकी दरबार में महाआरती जयपाल वैष्णव महाराज के द्वारा किया गया। बजरंगदल के सदस्यों ने भगवान श्रीराम से प्रार्थना किया की पुरे भारत में फैले वैश्वीक कोरोना महामारी से मुक्ति दिलाये। इस अवसर पर जिला सुरक्षा प्रमुख छब्बी सिन्हा, जिला सह सयोजक आशुतोष साहू, जिला मिडिया प्रभारी गुड्डा सिन्हा, नगर संयोजक प्रभात पाठकर, प्रचार प्रसार प्रमुख रवि रात्रे, राहुल ध्रुव, धनंजय सिन्हा, श्यामु सौर, हीरालाल ध्रुव, पप्पु पटेल, सेवक धीवर, अजय साहू, दुर्गेश यादव, नवीन धीवर, जीवराखन ध्रुव,प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

चिकित्सक सहित विभिन्न पदों के लिए 27 तक आवेदन आमंत्रित

महासमुन्द नवप्रदेश। जिले में कोविड-19 के संक्रमण से रोकथाम नियंत्रण एवं आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सेवानिवृत्त चिकित्सक एलोपैथिक, स्टाफ नर्स एवं लैब टेक्नीशियनों से कोविड-19 कार्यों के लिए आवेदन आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इन पदों के लिए सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी हस्तलिखित आवेदन पत्र, पहचान पत्र एवं सेवानिवृत्ति प्रमाण या सेवानिवृत्ति संबंधित साक्ष्य के साथ 27 अप्रैल 2021 तक अपने समीपस्थ कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव, बागबाहरा, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली तथा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महासमुंद में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। यह नियुक्ति कोविड-19 के लिए किया जा रहा है तथा यह पद पूर्णतः अस्थाई है। संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारी विभाग प्रमुख द्वारा आवेदन को सत्यापित करने के उपरांत त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला स्तर से कार्यादेश जारी किया जाएगा। नियुक्ति उपरांत उन्हें एकमुश्त मासिक वेतन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में निर्धारित दर अनुसार प्रदान किया जाएगा। चिकित्सक एलोपैथिक के लिए एकमुश्त मासिक वेतन 58 हजार 100 रूपए, स्टाफ नर्स के लिए 16 हजार 500 रूपए एवं लैब टेक्नीशियन के लिए 14 हजार रूपए निर्धारित किया गया है।

होम आइसोलेशन मरीज कांटेक्ट ट्रेसिंग के दौरान सही जानकारी दें

महासमुन्द नवप्रदेश। होम आइसोलेशन में रह रहें मरीज कांटेक्ट ट्रेसिंग के दौरान सही जानकारी दें। होम आइसोलेशन में कोविड पॉजिटिव मरीजों की प्रॉपर मॉनिटरिंग कांटेक्ट ट्रेसिंग बेहद महत्वपूर्ण कार्य है। यह सबसे प्रथम स्टेज होता है जब किसी को भी पॉजिटिव मरीज से दूरभाष के माध्यम से प्रथम बार संपर्क किया जाता है। इस दौरान मरीजों द्वारा सही-सही जानकारी देना बहुत आवश्यक है। इसी के आधार पर मरीजों को दवाइयां एवं इनकी मॉनिटरिंग होम आइसोलेशन के दौरान की जाती है। कांटेक्ट ट्रेसिंग में पॉजिटिव व्यक्ति का नाम, उम्र, संपर्क नंबर, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, पूर्ण पता, वार्ड, जिला, व्यवसाय, सर्दी, खासी, बुखार, सिर दर्द या अन्य कोविड-19 के लक्षण, यदि महिला है तो क्या वह गर्भवती है, इसका विवरण। कोविड सैंपल के प्रकार जैसे एंटीजन, आरटीपीसीआर, ट्रूनॉट, सैंपल एवं इसका दिनांक, परिणाम आने की तिथि, अन्य गंभीर बीमारी जैसे बीपी, शुगर, गर्भवती, कैंसर, लकवा, टीबी, सिकलिंग, हृदय रोग इत्यादि के बारे में जानकारी एकत्र की जाती है। परिवार में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों की संख्या, परिवार में 10 वर्ष के उम्र वाले व्यक्तियों की संख्या, परिवार में गर्भवती महिला की संख्या, यात्रा का विवरण, क्या विगत 15 दिनों में कहीं यात्रा किया गया है, यदि किया गया है तो उसका संपूर्ण विवरण। एक ही घर या परिवार में रहने वाले व्यक्तियों का विवरण, घर में बाहर से आने वाले व्यक्तियों का विवरण की जानकारी कांटेक्ट ट्रेसिंग के दौरान ली जा रही है। पॉजिटीव मरीजों द्वारा सही जानकारी देने पर होम आइसोलेशन की काउंसलिंग के दौरान मरीजों को घर पर ही देखरेख में मदद मिलती है। होम आइसोलेशन के गंभीर मरीजों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भी पहुंचाया जाता है। काउंसलिंग के दौरान सही सही जानकारी देने की सलाह भी दी जाती है।

लॉकडाउन में सैलरी भी लॉक

- अर्थ संकट में फंसे टीचर

भाटापारा। प्रतिकूल परिस्थितियों में कोरोना ड्यूटी कर रहे टीचर भारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं क्योंकि लॉकडाउन में ट्रेजरी भी लॉक हो चुकी है। 9 दिन बाद 2 माह पूरे हो जाएंगे। इस तरह की स्थितियों के बीच काम कर रहे टीचरों ने अविलंब वेतन भुगतान की मांग उठाई है।

हर विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले टीचर अब अर्थ संकट का सामना कर रहे हैं। वजह है, वेतन का नहीं मिलना। कारणों के पीछे जाने पर यह जानकारी सामने आ रही है कि ट्रेजरी में बीते 1 माह से ताला लगा हुआ है। दूसरा माह 9 दिन बाद पूरा हो जाएगा। ऐसे में किसी तरह ले- देकर परिवार की गाड़ी खींच रहा यह वर्ग वैकल्पिक उपाय के जरिए वेतन की मांग उठा रहा है।

अनुमति की मांग

वेतन नहीं मिलने के बाद आर्थिक संकट झेल रहा यह वर्ग अब कह रहा है कि वेतन भुगतान के लिए सीमित समय के लिए ही ,ट्रेजरी खोलने की अनुमति दी जाए ताकि यह जरूरी काम किया जा सके। बता दें कि जिले के लगभग सभी ब्लॉक के टीचर वेतन के अलावा दूसरी राशि नहीं मिलने के बाद जीवन -यापन में आ रहे संकट का सामना कर रहे हैं

ट्रेजरी भी लॉक: जिन शासकीय कार्यालयों में आवाजाही ज्यादा होती है, उनमें ट्रेजरी भी है। संक्रमण के बढ़ते मामलों के बाद यह 1 माह से बंद है। वेतन की राशि मुख्यालय से जारी हो चुकी है लेकिन ट्रेजरी में लगा ताला, इस राशि के टीचरों तक पहुंच की राह में बाधा बन चुका है। यह कब खुलेगा, जैसे सवाल इसलिए नहीं उठाए जा सकते क्योंकि लॉक डाउन का आदेश इस पर भी प्रभावी है।

चढ़ा पारा थर्मामीटर का, रोज 5 हजार नग

- सप्लाई और रेट पर कड़ी नजर

> दोनों प्रकार के थर्मामीटर की उपलब्धता आसान है। हम रेट, डिमांड और सप्लाई तीनों पर नजर रखे हुए हैं।
>
> **- अविनाश अग्रवाल,** सचिव , राज्य औषधि विक्रेता संघ, रायपुर

भाटापारा। कीमत नहीं बढ़ी लेकिन मांग जरूर बढ़ चली है। कभी साल में हजार या दो हजार नग थर्मामीटर की मांग वाले अपने छत्तीसगढ़ में अब रोज 5 से 6 हजार थर्मामीटर की मांग निकल रही है। यह आंकड़ा पारा और डिजिटल थर्मामीटर दोनों को मिलाकर सामने आ रहा है।

ऑक्सीमीटर की पहुंच के बाद कोने में रख दिया गया, थर्मामीटर फिर से अहम हो चुका है। सहज और सभी की क्रय शक्ति के भीतर आने वाला थर्मामीटर अपने इन्हीं दो वजह से अपनी खोई हुई जगह वापस ले रहा है। शॉर्टेज जैसी कोई स्थिति नहीं है ,क्योंकि अबकी बार राज्य औषधि विक्रेता संघ ,मेडिकल से संबंधित हर उस अहम चीज पर नजर रखे हुए हैं, जिसकी मांग बढ़ रही है।

इसलिए बढ़ी खपत: कोरोना काल में ऑक्सीजन, पल्स लेबल और टेंपरेचर बेहद जरूरी माना जा रहा है।इसी के आधार पर चिकित्सकीय जांच और दवाएं सुझाई जाती है। लेकिन तकनीकी दिक्कत आड़े आती देख एक बार फिर से थर्मामीटर को सही माना जा रहा है।भले ही इसमें ऑक्सीजन और पल्स लेवल की जानकारी देने की सुविधा नहीं है लेकिन तापमान से शारीरिक गतिविधियों का सटीक अनुमान लगाने में मदद मिलती है।

मांग बढ़ी तो सप्लाई भी बढ़ाई: थर्मामीटर बनाने की ईकाईयां मुंबई और दिल्ली में है। इसके अलावा कुछ बड़े शहरों में भी इसका निर्माण होता है। संकट की स्थितियों में ना केवल उत्पादन बढ़ा दिया गया है बल्कि सप्लाई लाईन भी मजबूत की जा चुकी है। शॉर्टेज जैसी स्थितियां नहीं आने पाए, इस पर कंपनियां और राज्य औषधि विक्रेता संघ ,स्टेट डिपो व बाजार पर बराबर नजर रखे हुए हैं। बता दें कि पारा वाला थर्मामीटर 130 रुपए और डिजिटल थर्मामीटर 220 रुपए में उपलब्ध है।

अवैध शराब परिवाहन करते आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

- मोटर सायकल व मोबाईल सहित अवैध शराब जप्त

गण्डई। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव श्री डी. श्रवण, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कविलाष टंडन, श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय श्री राजेष जोषी के दिषा निर्देष पर थाना प्रभारी निरीक्षक शषिकांत एवं हमराह स्टॉफ के द्वारा दिनांक 21.04.2021 को कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग गष्त पर निकले थे, कि जरिये मुखबीर मोबाईल से सूचना मिली की देवराज शर्मा उर्फ गोलू अपने मोटर सायकल क्र0 ब्ळ08ण्।च्7560 में पिटठू बैग में लादकर सहसपुर लोहारा की ओर से अवैध शराब बिक्री करने हेतु ला रहा है कि सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाहन के साथ ग्राम लिमो नाला के पास घेराबंदी किये, घेराबंदी के दौरान देवराज शर्मा उर्फ गोलू को रोककर पूछताछ व साथ में रखे पिटठू बैग को तलाषी करने पर आरोपी देवराज शर्मा उर्फ गोलू पिता स्व. आबिद शर्मा उम्र 32 साल साकिन मेन चैक वार्ड नं0 11 गण्डई थाना गण्डई के कब्जे से एक काला भूरा रंग का पिटठू बैग जिसमें 40 पौव 7.200 लीटर देषी शराब एवं एक मोटर सायकल होण्डा साईन, एक नग मोबाईल जप्त किया गया, ज्ञात हो कि देवराज शर्मा उर्फ गोलू अभ्यस्थ आरोपी है, आरोपी के विरूद्ध पूर्व में भी थाना गण्डई में कई अपराध दर्ज है। आरोपी के विरूद्ध थाना गण्डई में आज दिनांक 21.04.2021 को अपराध क्रमांक 65/2021 धारा 34(2) आब एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर माननीय ए.सी.जे.एम. न्यायालय खैरागढ प्रस्तुत किया गया, आरोपी को ज्युडिसियल रिमाण्ड पर सलोनी जेल भेजा गया।

बिना पास, तो कोई नकली पास बनाकर पहुंच रहे पेट्रोल पंप

बालोद। इन दिनों जैसे-जैसे लॉक डाउन एक हफ्ता से ज्यादा बीत रहा लोग नियमों को दरकिनार कर बेवजह घूमते नजर आ रहे हैं तो उस पर पेट्रोल पंपों में भी आम लोग नकली पास दिखा कर पेट्रोल डीजल लेने के लिए भी पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक स्पष्ट किया गया है कि किसी भी आम व्यक्ति को पेट्रोल डीजल नहीं दिया जाएगा। सिर्फ आपात स्थिति में व सरकारी वाहन व मीडिया साथियों को ही पेट्रोल डीजल मिलेगा उन्हें भी आईडी कार्ड व पास दिखाने पर। ऐसे में अब आम जनता भी पेट्रोल-डीजल हासिल करने के लिए चलाकी दिखाने लग गई है और कुछ कुछ लोग डुप्लीकेट पास बनाकर पेट्रोल डीजल डलवाने के लिए भी पहुंच रहे हैं। जिसमें दूसरे लोगों के पास की फोटो कॉपी करा कर बिना फोटो चिपकाए उसे पास बताकर पेट्रोल डीजल डलाने के लिए आ रहे हैं। ऐसी शिकायतें खासतौर से ग्रामीण क्षेत्र के पेट्रोल पंपों में मिल रही है ।जहां के कर्मचारी इस तरह के नकली पास वालों से परेशान हो गए हैं। उन्हें पेट्रोल देने से मना करने पर कुछ लोग तो धौंस दिखाने लग जाते हैं कि हम अमुक विभाग के कर्मचारी हैं तो हमें यह पहचान पत्र दिया गया है। जुंगेरा के पेट्रोल पंप के कर्मचारी ने बताया कि कुछ लोग तो डुप्लीकेट पास लेकर आते हैं ऐसा लगता है कि उसमें हेराफेरी की गई है। फोटो कॉपी करा कर उसमें दूसरे का नाम लिखा गया है।

इधर शहर में काम का बहाना बताकर लोग घूम रहे बेवजह

लॉकडाउन के दिन जैसे-जैसे बीत रहे हैं शहर में भी काम का बहाना बनाकर लोग बेवजह घूमने के लिए भी निकलने लगे हैं खास तौर से युवा वर्ग नियमों को ठेंगा दिखा रहा है और कहीं मेडिकल जाने तो कहीं कुछ और जरूरी काम का बहाना बताकर वे बाइक से घूमने के लिए निकल रहे हैं। पुलिस और प्रशासन से बचने के लिए वे मास्क लगा लेते हैं फिर उनसे बचकर निकलने के बाद खुले मास्क के भी कहीं भी घूमने के लिए निकल जाते हैं।

आलू, पेट्रोल, फल का दोगुना रेट, प्रशासन बना मुख दर्शक

देवभोग। एक और गरीब मजदूरों की आय लगभग बंद हो गई है। तो दूसरी ओर इस लॉकडाउन का फायदा उठाते हुए कुछ कारोबारी अपनी कमाई का मौका बनाए हुए हैं। जिसके चलते अधिकांश घरों में सब्जी बमुश्किल बन पा रहा है। क्योंकि आलू से लेकर तेल और फल से लेकर पेट्रोल तक के दाम दोगुना से अधिक बढाए हुए हैं। इससे कारोबारी तो मालामाल हो रहे हैं। लेकिन गरीबों की आर्थिक स्थिति पूरी तरह खराब हो रही है। शायद जिला मुख्यालय में फल तेल आलू पेट्रोल सहित अन्य सामग्री को इतने दाम पर नहीं बेचा जा रहा है। मगर मुख्यालय सहित आजू बाजू के कईयों गांव में खाद्य सामग्री के दाम आसमान छू रहे हैं। जिससे प्रशासनिक अमला भी अच्छी तरह अवगत है ।लेकिन अब तक मूर्ख दर्शक नजर आ रहा है। यही वजह है कि लोग लॉकडाउन खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यहां बताना लाजिमी होगा कि पेट्रोल प्रति लीटर 180 रूपए से अधिक पर निजी दुकान में बेचा जा रहा है। तो वही दाल 200 के पास भेज रहे हैं इसके अलावा आलू की कीमत 70 रूपए लगाया जा रहा है ।हैरान तो फल के दाम सुनकर हो जाएंगे क्योंकि जो अकेला 40 रूपए मैं एक दर्जन उपलब्ध होता रहा। वह 100 से 120 रूपए में बेचा जा रहा है। साथ ही गुटखा सिगरेट को भी दोगुना धाम पर बेच रहे हैं जबकि बड़े-बड़े कारोबारियों ने लॉकडाउन से पहले इस आपदा का फायदा ना उठाते हुए निर्धारित दाम पर सामान बेचने की अपील किया रहा। फिर भी कुछ कारोबारी इस संकट की घड़ी में अपना कमाई ढूंढ रहे हैं। मतलब बचे लॉकडाउन के दिन किस तरह गुजारा जाए क्योंकि कारोबारियों की अपील का असर तो बिल्कुल भी देखने को नहीं मिला। बल्कि लॉकडाउन से पहले खाद्य सामग्री से लेकर नशीली पदार्थ को जाम कर रखा रहा और लॉकडाउन के दौरान सप्लाई किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऑक्सीजन टैंकर लीक...

उच्चस्तरीय जाँच के आदेश दिए।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि नासिक शहर के संरक्षक मंत्री छगन भुजबल ने अस्पताल का दौरा किया है और जल्द ही वह और एफडीए के मंत्री भी नासिक शहर का दौरा करने के लिए निकलने वाले हैं।

कोरोना वैक्सीन के ...

खुराक ले चुके लोगों में से भी 5500 से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए। अभी तक कोवैक्सीन और कोविशील्ड की तकरीबन 13 करोड़ डोज लोगों को लगाई जा चुकी है। कोवैक्सीन की 1.1 करोड़ डोज में 93,56,436 लोग पहली डोज लगवा चुके हैं। पहली डोज के बाद पॉजिटिव होने वालों की संख्या 4208 है जोकि 0.04 फीसदी है।

कोविशील्ड की साढ़े 11 करोड़ से अधिक खुराकें दी गई

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया (एसआईआई) द्वारा बनाई जा रही ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन कोविशील्ड की साढ़े 11 करोड़ से अधिक डोज लगाई जा चुकी हैं। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, 10,03,02,745 पहली डोज लगाई गई हैं, जबकि इसमें से 17145 (0.02फीसदी) पॉजिटिव हुए हैं। वहीं, दूसरी डोज 15732754 दी गई हैं, जिसमें से 5014 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। यह सिर्फ 0.03 फीसदी है। सरकार के इन आंकड़ों से साफ है कि वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने वाले लोगों को कोरोना की दूसरी लहर में काफी राहत मिली है और संक्रमित होने वालों की संख्या काफी कम है।

गंभीर बीमारी होने से रोकती है वैक्सीन

वैक्सीन कोरोना के गंभीर संक्रमण से भी बचाती है। एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बुधवार को बताया, ''वैक्सीन आपको गंभीर संक्रमण से बचाती है। हो सकता है कि यह आपको संक्रमित होने से न बचाए। यह समझना जरूरी है कि वैक्सीन के बाद भी पॉजिटिव रिपोर्ट आ सकती है, इस लिए टीका लगने के बाद भी मास्क पहनना जरूरी है।'' उधर, सरकार ने बताया कि अभी यह देखने का समय नहीं है कि हमने क्या तैयारी की है और कहां चूक हुई, आज महामारी का एकजुट होकर मुकाबला करने का और इससे उबरने का समय है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के...

भी घर से निकला और उसके निकलते ही बेटी ने मामा को एसएमएस किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रामप्रसाद के शरीर पर चोट के निशान भी हैं। सीसीटीवी फुटेज में भी ये दोनों दिखे थे। जब पुलिस इनके पास पहुंची तो ये शराब के नशे में थे। जब इन्होंने तीनों की जान ली तो हरीश की मां वहीं मौजूद थी। उसने अपनी आंखों से सब कुछ देखा, इसके बाद तीनों आरोपी भाग गए। घटना को अंजाम देने के बाद परमेश्वर ने अपने कपड़े जलाए और अस्पताल में भर्ती हो गया। पुलिस ने शक आधार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो आरोपी ने वारदात के बारे में सिलसिलेवार बयान किया है। पुलिस जल्द मामले का खुलासा करेगी।

रेमडेसिविर कोई..

नहीं है। हमने अब एक प्रोटोकॉल बनाया है कि रेमडेसिविर सभी पॉजिटिव मरीजों को नहीं दी जाएगी। यह मरीजों के टेस्ट रिजल्ट, लक्षण, गंभीर बीमारी को देखने के बाद डॉक्टर की ओर से दी जाएगी।

छग को राष्ट्रीय..

कहा कि सूचना एवं संचार की नई तकनीकों और ई-एप्लीकेशन ने सरकार और पंचायतों की बीच सूचना के प्रवाह को आसान व तेज बनाया है। विभिन्न शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में भी यह बहुत मददगार है। पंचायतों में जनोपयोगी रिकॉर्ड और डॉटा के संकलन और संधारण को भी सूचना प्रौद्योगिकी ने सुविधाजनक बनाया है।

कोरोना टीकारण में ..

ऑक्सीजन उत्पादन में भारत दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल है फिर भी हमें और इसकी जबरदस्त कमी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस स्थिति को और सरकार की नाकामी और उसकी विफल रणनीति का परिणाम बताया है।

OFFICE OF THE RAIPUR SMART CTIY LIMITED

e-Procurement Tender Notice Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No.: 379/RSCL/2021 **DATED: 21/04/2021**

Online bids are invited for the work of Supply, Installation, testing and commissioning of LPG/CNG/PNG gas Fired Crematorium furnace/Incinerator System for Human Body Cremation for Capacity of Average One body per hour along with the ETP System, Air Purification System with Three Years DLP. Bearing STN: 76469. The details Can be viewed and downloaded online directly from the Goverment of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Managing Director
Raipur Smart City Limited

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

महामारी से निपटने जनप्रतिनिधि भी सामने आए, टीकाकरण और सावधानी बरतने की अपील

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद । कोविड19 के बढ़ते संक्रमण से चिंतित होकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने पात्रता अनुसार लोगो को टीकाकरण कराने और अपने जीवनचर्या में मास्क लगाने और 2 गज दूरी का पालन करने का आग्रह किया है । जनपद पंचायत फिंगेश्वर और छुरा के जनप्रतिनिधियों ने अपने वीडियो संदेश में लोगों से कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने और शासन प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए लोगों से आग्रह किया है ।

जनपद पंचायत फिंगेश्वर की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा साहू ने अपने अपील में कहा कि वह खुद कोरोनावायरस से संक्रमित हो गई थी लेकिन दवाई लेकर और कोरोना के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वे स्वस्थ हो गई हैं । उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज अपने घर पर ही सुरक्षित रहना सबसे कारगर उपाय है ।उन्होंने 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों से

करबद्ध प्रार्थना कर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों और टीकाकरण केंद्रों में टीका लगवाने आग्रह किया है । साथ ही कहा कि अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण सबसे कारगर उपाय है। इसी तरह जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष श्रीमती तोकेश्वरी माझी ने कहा की कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है और सभी इस संकट से सभी जूझ रहे हैं ।उन्होंने जनपद पंचायत से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक के प्रतिनिधियों और लोगों को टीकाकरण करने का आग्रह किया है ।उन्होंने कहा की टीकाकरण से किसी तरह का नुकसान नहीं है इससे संक्रमण से लड़ने की क्षमता मिलती है । वही जनपद पंचायत छुरा के युवा उपाध्यक्ष गौरव मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि लक्षण दिखे तो टीकाकरण अवश्य कराएं अपने पास के टीकाकरण केंद्र में । टीकाकरण सुरक्षित और प्रभावशाली है । उन्होंने कहा कि टीकाकरण में सरकार का सहयोग करें । श्री मिश्रा ने कहा कि कोरोना वायरस से जंग जारी है जीत की पूरी तैयारी है। इसी तरह फिंगेश्वर जनपद सदस्य श्रीमती ललिता ने छत्तीसगढ़ी में कविता के माध्यम से लोगों को समझाने का प्रयास किया है ।उन्होंने कहा कि लक्षण दिखे तो टेस्ट अवश्य कराएं और सामान्य दिनों में 2 गज दूरी पर मास्क लगाने का नियम का पालन करें। उन्होंने कहा कि ऐसी घातक बीमारी है जिसका अंदाजा उन्हीं को है जिनके घर में यह बीमारी आई है। उन्होंने लॉक डाउन का पालन करने और जांच करवा कर कोरोना को जड़ से मिटाने का संदेश दिया है । जिला प्रशासन के अपील के बाद क्षेत्र के जनप्रतिनिधि समाजसेवी और प्रबुद्ध नागरिक गण कोविड-19 को रोकने हेतु आगे आकर मदद कर रहे हैं अभी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर भी दिया गया है । इसके अलावा जागरूकता प्रयासों में भी पीछे नहीं है ।

न्यूज गैलरी

लॉकडाऊन के साये मे जंवारा विसर्जन

खरोरा। ग्राम बंगोली मे चैत्र नवरात्रि पर्व के चलते लॉकडाऊन के साये मे ज्योति जंवारा का रामनवमी पर विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने घर में देवी आराधना कर हवन पूजन के बाद जोत जवारा का का विसर्जन किया। वही ज्योत जंवारा की स्थापना लील्लूराम धीवर ने अपने निवास स्थान मे किया था।

रोवर रेंजर व स्काउट गाइड ने कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कसी कमर

खरोरा। श्रीमती सुरेश शुक्ला जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर एवं अशोक नारायण बंजारा जिला आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर के दिशा निर्देश व मार्गदर्शन के साथ-साथ कोरोना महामारी लॉकडाउन के परिपालन करते हुए भरत देवांगन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खरोरा के रोवर रेंजर स्काउट गाइड ने अपने रेंजर लीडर सुश्री शाहिना परवीन जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड के अगुवाई मैं खरोरा ग्राम पंचायत के वार्ड में उतर कर स्वयं मास्क सिलकर घर घर वितरण कर रहे हैं और सभी को कोरोनावायरस टीकाकरण के लिए प्रेरित कर रहे हैं साथ ही साथ सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर अपने यूमिनिटी पावर को बढ़ाने के लिए घर में रहकर योगा प्राणायाम करके सभी को संदेश दे रहे हैं कि स्वस्थ रहे निरोगी रहें इस पूरे पावन कार्य के लिए माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नई दिल्ली वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन माननीय श्री विनोद सेवालाल चंद्राकर राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स एवं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्री कैलाश कुमार सोनी राज्य सचिव भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ श्री जी स्वामी जी जिला अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर श्री मृत्युंजय शुक्ला जी जिला सचिव जिला संघ रायपुर एवं अन्य जिला संघ पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी इन सब की जानकारी श्री मनोज कुमार वर्मा जिला संगठन आयुक्त स्काउट रायपुर ने दी।

कोविड नियमों का पालन नई करने वालो पर प्रसासन हुवा सख्त, शादी, पेट्रोल पम्प, किराना दुकान पर लगाया जुर्माना

डौंडी। जहाँ एक और पूरा देश कोरोना महामारी से लड़ रहा है और कई लोगो की जाने भी जा रही है जिसको देखते हुए बालोद जिला प्रशासन ने 26 अप्रेल तक कुछ शर्तो के साथ लॉकडाउन लगाया है जिसमे जिसमे सदियों को 10 लोगो की अनुमति के साथ पेट्रोल पम्पो और कुछ जरूरी चीजों किराना को घूम घूम कर समान देने के लिए छूट दी गई है ,जिसका दुरुपयोग भी लोग कर रहे है और कोरोना की गाइड लाइन को ठेंगा दिखा रहे है जिसको लेकर प्रसासन ने अब सख्त कदम उठाते हुए कार्रवाहिया करना सुरु कर दिया है जिसके चलते नायब तहसीलदार विनय देवांगन ने कारवाही की है जिसमें नगर के रूपेश पेट्रोल को कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन करने पर एक हजार का जुर्माना लगाया तो वही डौंडी के मनीष किराना से पांच सौ रुपये और नगर से 3 किलोमीटर दूर कुसुमटोला गांव में नवल सिंह के घर सादी कार्यक्रम में 10 से अधिक लोग सम्मलित होने पर दो हजार का जुर्माना लगाया है ,और लोगो को समझाइश देते हुए दुबारा गलती नई करने और कोरोना की महामारी से जूझना बताते हुए कोरोना गाइड लाइन का पालन करने अपील भी की ।

को-मार्बिड, गर्भवती अधिकारी व कर्मचारियों को एक्टिव ड्यूटी से छूट

गरियाबंद। गरियाबंद जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को दिनांक 26 अप्रैल प्रातः 06 बजे तक कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। उक्त आदेश में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री निलेश कुमार क्षीरसागर ने आंशिक संशोधन करते हुए उपरोक्त अवधि के दौरान को-मार्बिड,गर्भवती अधिकारी व कर्मचारियों को एक्टिव ड्यूटी से छूट प्रदान किया है। बैंको को हब- बैंकिंग सिद्वांत अनुसार न्यूनतम स्टॉफके अनुसार कार्य करने की अनुमति प्रदान किया है। सभी बैंक व शाखाएं प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक ही संचालित हो सकेंगी। उपरोक्त अविध के दौरान केवल ए.टी.एम. कैश, रि-फिलिंग, मेडिकल, इक्विपमेंट, मेडिसिन, पेट्रोल/डीजल पंप, एल.पी.जी. पी.डी.एस./केरोसीन वितरक शासकीय उचित मूल्य दुकानदारों संबंधी लेन-देन उद्योगों के व्यापारिक लेन-देन/ श्रमिकों के भुगतान मेडिकल ऑक्सीजन आपूर्ति/ लिक्विड ऑक्सीजन उत्पादक, शासकीय लेन-देन. निविदा, अस्पताल एवं मेडिकल प्रयोजन को छोड़कर आम जनता हेतु किसी भी प्रकार की सामान्य लेन-देन की अनुमति नही होगी। इस हेतु शाखा प्रबंधक संबंधित व्यक्तियों से विधिवत आवेदन प्राप्त कर अभीलेख संधारित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

हद है, लाशों को ढोने में भी लगा दी शिक्षकों की ड्यूटी

■ आखिर कब तक होती रहेगी शिक्षक हित की अनदेखी : छग शालेय शिक्षक संघ

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। छ ग शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र चंद्रवंशी ने बताया कि छ्ग शालेय शिक्षक संघ ने राज्य के महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री व प्रदेश के मुख्य सचिव के नाम एक ज्ञापन देते हुए प्रदेश में बिना किसी कोविड प्रोटोकॉल सुरक्षा संसाधन दिए बिना,फ्रंटलाइन वारियर्स की श्रेणी में रखे बिना शिक्षकों की ड्यूटी राजस्व अमले द्वारा कोरोना संक्रमण से मृत रोगियों के शव को लाने ले जाने,कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के बीच जाकर ट्रेसिंग करने,संक्रमण का माध्यम मोहल्ला क्लास चलाने जैसे अव्यवारिक आदेश का जमकर विरोध किया है और तत्काल इस पर रोक लगाते हुए इन तुगलकी आदेशो के परिपालन में कोरोना संक्रमित हो अपनी जान गवां चुके दिवंगत शिक्षकों के परिवार को फ्रंट लाइन वारियर्स को दी जाने वाली 50 लाख की बीमा व उनके घर के आश्रित को शासकीय नौकरी देने की मांग की है।

संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने शिक्षकों की ड्यूटी गैर शैक्षणिक कार्यो में लगाने का कड़ा प्रतिकार करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमित रोगियों के लाशों के परिवहन जैसे कार्यो में शिक्षकों की ड्यूटी लगाकर शिक्षक पद की गरिमा को ठेस पहुँचाया जा रहा है,ऐसे तुगलकी और अव्यवहारिक आदेशो को शीघ्र वापस लिए जायें अन्यथा प्रदेश के समस्त शिक्षक इस जैसे अव्यवहारिक आदेशो का सामूहिक बहिष्कार करने को बाध्य होगा।

संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष संजय जायसवाल,मोहन राजपूत,अमित मिश्रा,राकेश जोशी ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यो में संग्लन करने से मना किया है इसके बावजूद स्थानीय शासन प्रशासन अनेक गैर शैक्षणिक कार्यो में जैसे चुनाव,जनगणना आदि में शिक्षकों की सेवाएं लेते रहे है और शिक्षक भी राष्ट्रहित का ध्यान रखते हुए इन कार्यो को सहर्ष करते आया है,किंतु अब कुछ समय से शिक्षकों की ड्यूटी शिक्षक की गरिमा के प्रतिकूल कार्यो में भी लगाई जा रही है, कोरोना संक्रमितों मृत रोगियों के शव का परिवहन,कोरोना संक्रमितों की ट्रेसिंग, मोहल्ला क्लास जैसे कार्यो के लिए भी अव्यवारिक रूप से आदेशित किया जा रहा है। जिसके कारण प्रदेश से प्रतिदिन सैकडों शिक्षको के कोरोना संक्रमित हो काल कवलित होने के समाचार आ रहे हैं।कोरोना संक्रमण की खतरनाक रफ्तार के बीच जब सारी दुनिया वर्क फ्रॉम होम,टेलीफोनिक,संचार अथवा अत्याधुनिक गैजेट्स के माध्यम से अपने कार्यो को सम्पन्न कर रही है ऐसे में प्रदेश के राजधानी समेत अन्य जिलों में विभिन्न कार्यो में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की अव्यवहारिक ड्यूटी लगाकर संक्रमण फैलने हेतु स्थिति पैदा कर रही है,कोशिश यह होनी चाहिए कि कम से कम कर्मचारी जनसमूह के बीच जावें ताकि संक्रमण और न फैले अतः शासन प्रशासन ऐसे अव्यवहारिक आदेशो को तत्काल रद्द करे।

आम लोगों के उपचार व स्वास्थ्य सुविधाओं में कोई कमी नहीं

■ विधानसभा के कार्यकर्ताओं को कोरोना महामारी और लॉकडाउन में हरसंभव मदद के लिए तत्पर रहने को कहा

बेमेतरा/बेरला। विश्व्यापी कोरोना महामारी (कोविड-19) एवं उसे नियंत्रित करने ज़िला प्रशासन द्वारा बेरला-बेमेतरा विधानसभा सहित पूरे ज़िले में लगाये लॉकडाउन पर स्थानीय क्षेत्र के पूर्व विधायक अवधेश सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने राज्य की भूपेश सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी को आये 1 वर्ष से अधिक हो गए है परन्तु अभी भी चिकित्सा के क्षेत्र में कोई उचित व्यवस्था सरकार नहीं कर पाया। राज्य सरकार को चाहिए कि हमे अभी वर्तमान में स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार को कोसना छोड़कर जनता की बेहतरी व सेवा पर ध्यान देने की जरूरत है।क्षेत्र के इस महामारी से प्रभावित आम जनमानस एवं उसे बचाने व जनता की व्यवस्था में लगे कोरोना वारियर्स को ऐसे संकटकाल में हिम्मत, हौसला व धैर्य रखने की आवश्यकता है। क्षेत्र के भाजपा पार्टी से जुड़े समस्त कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को बढ़ चढ़कर हर सम्भव मदद करने एवं प्रभावित जनमानस को शासन-प्रशासन के प्रोटोकॉल व गाइडलाइंस का ध्यान रखते हुए पालन कर कोरोना से लड़ने की अपील की है। इसके अलावा शासन-प्रशासन को क्षेत्र में आम नागरिकों की जांच व ईलाज पर उचित व्यवस्था करने पर जोर देना चाहिये। किसी भी आम नागरिक को स्वास्थ्य सेवाओं व सुविधाओं में कोई कमी नहीं होने देना चाहिए। तभी जाकर हम क्षेत्र सहित पूरे देशभर से कोरोना को हराएंगे।

कृषि केंद्रों को शर्तो के साथ छूट देने की रखी मांग

■ किसान नेता योगेश तिवारी ने दूरभाष पर कलेक्टर से की चर्चा लगाई गुहार

बेमेतरा। रबी फसल पर कीटो के प्रकोप ने क्षेत्र के किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। लॉक डाउन में कृषि दवाई व खाद की दुकान बंद रहने से फसलों में छिड़काव के लिए जरूरी दवाइयां नही मिल पा रही है, ऐसे में किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। इस सम्बंध में किसान नेता योगेश तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के किसानों की लगातार फोन आ रही है, किसानों ने बताया कि लॉक डाउन में किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है, एक ओर जहां कीटो के प्रकोप के कारण फसल चौपट हो रही है, वहीं दूसरी कृषि उत्पाद बेचने के भी सारे विकल्प बंद हैं। खासकर सब्जी उत्पादक को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लॉकडाउन के कारण पूरी खेती-किसानी ही चौपट हो गई है, नकदी फसल करने वाले किसान भारी आर्थिक तंगी में हैं। इस दौरान इसकी आपूर्ति नहीं के बराबर हुई है ।

सब्जी उत्पादक परेशान, फसल खेतों में ही हो रही है खराब - सब्जी उत्पादक मोहन पटेल ने बताया कि सब्जी की खेती करने वाले किसान बेहद परेशान है, फुटकर सब्जी दुकान बंद होने से आपूर्ति नहीं होने के कारण फसल खेतों में ही खराब हो रही है। हालांकि लॉक डाउन की अवधि 26 अप्रैल तक बढ़ाने के दौरान सब्जी विक्रेताओं को हाथ ठेले में तय समय में गली गली सब्जी बेचने की छूट मिली है। बावजूद सब्जी किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योकि दीगर राज्यो में सप्लाई पूरी तरह से बंद है, वही स्थानीय स्तर पर भी बिक्री नही के बराबर हैं।

कोरोना वायरस से बचाव हेतु टीकाकरण अति आवश्यक: दीवान

नवप्रदेश संवाददाता

छुरा। आज वैश्विक महामारी से देश दुनिया मे हहाकार मचा हुआ है लाखो लोगों की जान मास्क और दोगज की दूरी नही बनाने के कारण हुआँ है , मौत का भंयकर ताण्डव बडे शहरों के साथ गांव देहातो मे जारी हे देश और प्रदेश की सरकार चिकित्सा सुविधाएं दे रही हैं लेकिन मरीजों की संख्या बढने से सरकार भी क्या कर सकती हैं ऐसे समय हम सब को दो गज दूरी मास्क जरूरी का फार्मूला अपना कर चलना चाहिए बिना जागरूकता के बिना सभंव नही है , लपारवाही के कारण आज छत्तीसगढ़ टाप मे है पैसा कमाने की होड ने ही कोरोना वायरस को पैर पसारने का मौका मिला ।कोरोना वायरस से बचाव हेतु टीकाकरण अति आवश्यक, क्षेत्र के लोगो को टीका समय पर लगवा लेना चाहिए ।

गरियाबंद जिले के सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष भरत दिवान ने चर्चा करते हुए कहा कि आज भयावह स्थिति हे जो स्थिति उत्पन्न हुआ है उसके लिए जनता स्वयं जिम्मेदार है । देश के प्रधानमंत्री सहित वैज्ञानिकों, डाक्टरों ने साल भर से अपील कर रहे है शोसलडिस्टेशिग का पालन करने एंव मास्क लगाना जरुरी है , लेकिन नंजर अंदाज करना आज मुश्किलें पैदा हो गया है।

बिना टेस्ट कराये आज भी सर्दी खांसी बुखार हाथ पैर दर्द की दवाई खुले बाजार से खरीद कर खा रहे है और बीमारी बढने के बाद टेस्ट करवा रहे जिसके चलते मौतो का आंकडे बढ रहे है ।

बरगड़ा में 20 एकड़ का पैरावट जला

साजा। साजा मुख्यालय के समीप ग्राम बरगड़ा में मंगलवार को सालिक राम साहू के कोठार में एकत्रित 20 एकड़ का पैरावट बिजली शॉट शर्किट में जल कर राख हो गया। ज्ञात हो कि कुछ महीनें से बिजली की तार टूटी पड़ी थी, गाव के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बाद भी इसका निराकरण नहीं किया गया था, जिसके चलते आज यह घटना घटित हुई।

नियमों का उल्लंघन एवं बेवजह व बिना मास्क के घुमने वालों पर कार्यवाही

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक विमल कुमार बैस, डीएसपी रामकुमार बर्मन, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, एसडीओपी बेरला श्रीमती ममता देवांगन के मार्गदर्शन में लगातार लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत 20 अप्रेल को डीएसपी तोमेश वर्मा, यातायात प्रभारी निरीक्षक सुंदरलाल बांधे, सउनि संतोष धुर्वे एवं अन्य स्टाफद्वारा लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाले, बेवजह व बिना मास्क के घुमने वाले 23 लोगो से 11500 रूपये समन शुल्क लिया गया तथा दिनांक 19 अप्रेल को समस्त थाना/चौकी व यातायात स्टाफ द्वारा बेवजह वाहन में घुमने वाले 70 वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करते हुए उनसे 14 हजार रूपये समन शुल्क लिया गया। तथा बिना मास्क लगाये 39 लोगो के विरूद्ध 19 हजार 500 रूपये का समन शुल्क लिया गया। लगातार बेमेतरा पुलिस द्वारा आमजन को शासन प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन करने, अतिआवश्यक होने पर मास्क लगाकर अपने घर से बाहर निकले व सैनेटाइजर का इस्तेमाल करते रहने एवं सोशल डिस्टेनसिंग का कड़ाई से पालन करने अपील की गई।

विधायक आशीष छाबड़ा ने किया बेरला अस्पताल का औचक निरीक्षण

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक आशीष छाबड़ा ने ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. कुंजाम से कोविड सेंटर बेरला की आवश्यक जानकारी ली। ब्लॉक मेडिकल अधिकारी ने विधायक श्री छाबड़ा को बताया कि कोरोना कोविड सेंटर बेरला में तेईस मरीज भर्ती है, जिनका उपचार किया जा रहा हैं। विधायक आशीष छाबड़ा ने कोविड सेंटर बेरला में भर्ती मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ सुविधा दी जाने तथा ऑक्सिजन की कमी मरीजों के लिए ना हो इसके लिए पहले से ही पर्याप्त व्यवस्था किए जाने का निर्देश ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉक्टर कुंजाम को दिया। इस दौरान उपस्थित जिला नोडल अधिकारी कोरोना कोविड19 व अनुभागीय अधिकारी संदीप ठाकूर को ग्रामों में शिविर लगाकर कोरोना जांच अधिक से अधिक संख्या में कराने को कहा, साथ ही विधायक ने कोविंड सेंटर में ऑक्सिजन की सप्लाई सभी बेड में उपलब्ध कराने हेतू पाईप लाईन विस्तार अविलंब कराने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान उपस्थित नगर निरीक्षक पुलिस को लाकडाऊन का कडाई से पालन करने को कहा गया।

कोरोना से बचने मास्क पहनने की आदत डालें : कलेक्टर

बेमेतरा । कलेक्टर शिव अनंत तायल ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक भीड़ में जाने से बचें। कोविड-19 से सुरक्षा के लिए यह सुनिश्चित करें कि एक ही स्थान पर सब्जी, फल और अन्य सामग्री न खरीदना पड़े। इसके लिए लॉकडाउन के दौरान सभी होम डिलिवरी या ठेला वालों से मदद लेकर सब्जी खरीदें। बहुत आवश्यक हो तभी घर से बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने के लिए कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें। मास्क अभी हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। आइये मास्क पहनने को अपने जिंदगी की आदत बना लें। यह समय देश, प्रदेश और समाज के लिए फर्ज निभाने का है। अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करें। साबुन से बार-बार हाथ धोएं, सेनेटाइजर का उपयोग करें तथा दो गज की दूरी के नियमों का पालन करें।

राहत | ऑक्सीजन व सीटी स्कैन मशीन की सुविधा तत्काल प्रभाव में बालोद में करें सरकार : यादव

छत्तीसगढ़ की जनता को सुविधाएं देने में असमर्थ राज्य सरकार: भाजपा

■ सरकार मरीजों को व्यवस्था देने में असफल, ऑक्सीजन की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं सरकार: सुरेश निर्मलकर

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल ने राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कोरोना काल में प्रयत्नों मै कमी बताकर तत्काल प्रभाव में व्यवस्था को दुरुस्त करने कहां, भाजपा शहर मंडल ने शासन प्रशासन से निवेदन किया है बालोद में पर्याप्त व्यवस्था के लिए जो भी संसाधन लगे उसे दुरुस्त किया जाए ताकि आगे और हानि जनता को ना हो।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री राकेश यादव ने कहा कि भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच मतभेद का खामियाजा भुगत रही है छत्तीसगढ़ की जनता पूरे छत्तीसगढ़ में अव्यवस्था का आलम है लोग अपनी जिंदगी बचाने के

लिए दर-दर भटक रहे हैं, बालोद जिला में डीएम का फंड है जिसका उपयोग कोरोना महामारी के लिए किया जाना चाहिए, विपक्ष अपनी भूमिका मजबूती से निभा रहा है मगर सरकार में बैठी अहंकारी सरकार अभी तक नींद में है जिसका खामियाजा पूरा छत्तीसगढ़ राज्य भोगा रहा है मैं बालोद की प्रबुद्ध जनता से निवेदन भी करता हूं कि मैं बढ़-चढ़कर वैक्सीन लगाने के लिए आगे आए हैं और लोगों को भी प्रेरित करें।

भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल के अध्यक्ष सुरेश निर्मलकर ने कहा कि बालोद में जिला चिकित्सालय हो या कोविड सेंटर सरकार व्यवस्था देने में नाकाम है बात ऑक्सीजन की हो या दवाइयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता की अस्पतालों में नहीं है, मैं सरकार से मांग करता हूं कि बालोद में वेंटिलेटर की सुविधा भी दी जाए, बालोद जिला अस्पताल में मृत शव को ले जाने के लिए 1 से 2 दिनों का इंतजार परिवार जनों को करना पड़ रहा है मैं इस अवसर पर बालोद के सभी समाज सेवी संगठनों का दानदाताओं का आभार करता हूं जिनके प्रयासों से बालोद की स्थिति में थोड़ी सुधार आती दिख रही है, परंतु यह सरकार जनता को भगवान के भरोसे छोड़ दी है।

लाकडाउन के बाद भी जिले में नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार

जिला मुख्यालय भी अब तेजी से संक्रमण की चपेट में, सोमवार को 70 नए मरीज मिले

- दो दिनो में फिर 900 से अधिक नए मरीज सामने
- पुलिस लाइन में लगातार बढ़ते जा रही संक्रमितो की संख्या

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिले में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नही ले रही है। लाकडाडन के 6 दिन बित जाने के बाद भी नए निकलने वाले मरीजो की संख्या में कमी नही आ रही है। रविवार और सोमवार इन दो दिनो में जिले में क्रमश 448 व 436 नए मरीजो की पुष्टि हुई हैं। बढ़ते आकड़ो के साथ जिले में पाजीटीव मरीजो की संख्या अब 10297 पहुँच गई है। जिसमें 5902 लोग रिकवर हो चुके है। जिले में एक्टिव मरीजो की संख्या 4308 पहुँच गई है। वर्तमान में 3240 मरीज होम आइसालेशन में है। इसके अलावा 87 लोगो की मौत हो चुकी है।

इधर जिले के साथ साथ अब जिला मुख्यालय में भी लगातार कोरोना का संक्रमण बढ़ते जा रहा है। रोजाना नगर के विभिन्न वार्डो से नए संक्रमित मरीज निकलने लगे है। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस की लाइन की स्थिति ज्यादा खराब है। इस माह में पुलिस लाइन से लगभग 100 के मरीज निकले चुके है। इसके अलावा विभिन्न वार्डो से भी रोज नए संक्रमित मरीज सामने आ रहे है। मुख्यालय का एक भी वार्ड अब कोरोना से अछुरा नही रहा है। कई ऐसे वार्ड है जहां एक ही परिवार के कई लोग संक्रमित पाए गए है। इसके अलावा गरियाबंद से छुरा मार्ग में ही कई घरो के लोग पाजीटीव है। रोज मिल रहे नए आकड़ो को देखते हुए कहा जाता सकता है कि नगर के हालात भी अब तेजी से बिगड़ने लगे है।

इसके अलावा ब्लाक के ग्रामीण अंचल में भी 72 नए मरीजो की पुष्टि हुई है। जिसमें ग्राम कौंदकेरा में आठ, कोसमी मे छः, आमदी, नागाबुढ़ा और कशेरू में पांच-पांच, तवरबाहरा और लोहारी में चार-चार, सड़क परसुली, नहरगांव, चिखली और धवलपुर में तीन-तीन, मजरकट्टा, पाथरमोहदा, मरोदा, कोपेकसा, हरदी और डुमरबाहरा में दो-दो, हाथबाय, बोईरगांव, सढ़ोली, खुटगांव, कोकड़ी, पारागांव, भीरालाट, फुलकर्रा, खुर्शीपार, कोचवाय और बरबाहरा में एक-एक मरीज की पुष्टि हुई है।

70 नए संक्रमित मरीजो की पुष्टि

इधर सोमवार को नगर में 70 नए संक्रमित मरीजो की पुष्टि हुई है। जिसमें सर्वाधिक 09 नए मरीज पुलिस लाइन में निकले है जिसमें पांच पुरूष और चार महिला शामिल है। वही जिला अस्पताल के भी दो कर्मचारी पाजीटीव आए है। इसके अलावा शिक्षक नगर में तीन, सिविल लाइन में पांच, पैरी कालोनी, फारेस्ट कालोनी और बजरंग चैक में एक-एक, वार्ड क्रमांक 12 में एक ही परिवार के तीन लोग, वार्ड क्रमांक 1 में दो, वार्ड 2 में दो, वार्ड 3 में एक, वार्ड 4 में दो, वार्ड 5 में तीन, वार्ड 09 में एक, वार्ड 10 में सात, वार्ड 11 में पांच, वार्ड 14 में पांच लोग पाजीटीव आए है। इसके अलावा गरियाबंद नगर के अलग अलग वार्डो से 17 नए संक्रमित सामने आए है।

संजीवनी 108 बिना ऑक्सीजन दौड़ रही , जान का खतरा

अस्पताल के बाद एंबुलेंस तक में भी ऑक्सीजन की मारामारी

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। जिले में दौड़ रही संजीवनी एक्सप्रेस में ऑक्सीजन खत्म होता जा रहा है। कई अस्पताल के एंबुलेंस में यह खत्म हो चुका है। पर अब तक संबंधित कंपनी रिफलिंग की कोई सुविधा नहीं दे रही है। अस्पताल में पहले से ही ऑक्सीजन सिलेंडर की मारामारी है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन पहले अपनी व्यवस्था संभाल रहा है और वह एंबुलेंस वालों को अलग से सिलेंडर नहीं दे रहे हैं। पहले कभी मानवता के नाते अगर सिलेंडर अचानक खत्म हो जाए तो अस्पताल से ही उन्हें एक दो सिलेंडर दे दिया जाता था। लेकिन अब स्थिति यह आ गई है कि अस्पताल में ही ऑक्सीजन कम पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में

अस्पताल वाले संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस को सिलेंडर देने से कतरा रही है और नतीजा इधर कंपनी भी व्यवस्था नहीं बना पा रही है। जिसके चलते संजीवनी एक्सप्रेस की गाड़ियां बिना ऑक्सीजन के दौड़ रही है। वर्तमान में कई संजीवनी 108 में सामान्य मरीजों के अलावा कोरोना मरीजों को भी अस्पताल ले जाने का काम चल रहा है। ऐसे समय में ऑक्सीजन बहुत जरूरी है तो वही सुरक्षा किट भी। पर संजीवनी के कर्मचारियों को दोनों नसीब नहीं हो रहे हैं। आधी अधूरी सुविधा के बीच एंबुलेंस चलाया जा रहा है। इससे कभी भी जान का खतरा हो सकता है। अगर रास्ते में किसी मरीज को ऑक्सीजन की जरूरत पड़े तो वहां ऑक्सीजन नहीं मिलने से मुसीबत बढ़ जाएगी। वर्तमान में बालोद जिला अस्पताल के एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होगया है। तो गुरूर में भी ऑक्सीजन सिलेंडर खत्म होने की कगार पर है। अर्जुंदा में भी कुछ ही ऑक्सीजन बचा है। इसके अलावा और भी ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों की स्थिति यही है। पर कंपनी द्वारा अब तक रिफिलिंग की व्यवस्था नहीं की जा रही है।

राजनांदगांव से होती है रिफलिंग

बताया जाता है कि राजनांदगांव से एंबुलेंस में ऑक्सीजन रिफलिंग की सुविधा दी जाती है। खाली सिलेंडर भरने के लिए एंबुलेंस राजनांदगांव नहीं जाती। जब कहीं कोई केस राजनांदगांव ले जाना होता है तो वहीं से रिफलिंग करा कर लाया जाता है। ऐसे में जिनका अभी राजनांदगांव जाना नहीं हो रहा है वे रिफलिंग ही नहीं करवा पा रहे हैं तो जहां रिफलिंग होती है वहां भी अभी ऑक्सीजन सिलेंडर की दिक्कत है। एक सिलेंडर को भरवाने में 350 से ?500 तक का खर्च आता है। जो सिलेंडर की साइज पर निर्भर करता है। संजीवनी एक्सप्रेस सुविधा को लोगों की जान बचाने के लिए शुरू किया गया है। ताकि आपात स्थिति में किसी की मौत न हो। पर एंबुलेंस के भीतर दाखिल मरीज को अगर ऑक्सीजन की जरूरत पड़े तो उसे ऑक्सीजन नहीं मिलेगा और ऐसे में उनकी जान भी जा सकती है।

> वर्तमान में ऑक्सीजन को लेकर दिक्कत तो आ रही है। राजनांदगांव से रिफलिंग करवाते हैं लेकिन वहां भी अभी दिक्कत है। जिले के कुछ अस्पतालों के एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने की जानकारी मिली है। जल्द से जल्द रिफिलिंग की सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं।
>
> **अविनाश पांडे,** डीएम, संजीवनी एक्सप्रेस

कोरोना से बचाव में सीनियर सिटीजन समिति का योगदान

कवर्धा। आज जब पूरा विश्व कोरोना के द्वितीय संक्रमण काल से त्राहि-त्राहि कर रहा है, शासन एवं प्रशासन जनहित में युद्ध स्तर पर कार्यरत हैं एवं जन सहयोग की अपील की गई है। जिस हेतु सामाजिक संगठनों एवं उच्च वर्ग के लोग अपने-अपने क्षमता अनुसार शासन को सहयोग कर रहे हैं ऐसी परिस्थिति में कबीरधाम जिले की सीनियर चयन समिति भी पीछे नहीं है। उक्त संदर्भ में दिनांक 20 अप्रैल मंगलवार को सीनियर सिटीजन समिति के अध्यक्ष प्रकाश कुमार गुप्ता प्रदेश प्रतिनिधि एसएस जैन एवं समिति के वरिष्ठ सदस्य मूलचंद देवांगन ने जिला कबीरधाम के कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा से मिलकर समिति के सदस्यों द्वारा स्वेच्छा से दान की गई नगद राशि ?20000 (बीस हजार) एक जंबो साइज का ऑक्सीजन सिलेंडर क्रय करने के लिए भेंट की गई जिसे कलेक्टर साहब द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया। भले ही उक्त राशि कोरोना बीमारी से लड़ाई में बहुत ही अल्प है किंतु समिति का योगदान जब भगवान राम ने समुद्र पार करने के लिए सेतु निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया उस समय गिलहरी द्वारा भी अपने शरीर पानी से गिला कर एवं रेत में लपेट कर उक्त सेतु में डाला गया।

निजी चिकित्सालय कोरोना मरीजों से शासन का निर्धारित शुल्क ही लें: कलेक्टर

- निजी चिकित्सालयों के संचालकों की बैठक लेकर तमाम पहलुओं पर किया चर्चा।

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने गत सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में जिले के उन तमाम निजी अस्पताल संचालकों की बैठक ली , जिन्हें कोविड मरीजों के उपचार की अनुमति प्रशासन द्वारा दी गई है। उन्होंने सभी चिकित्सकों की बातें सुनी व समस्याओं पर विचार विमर्श करने के पश्चात दो टूक कहा कि कोविड उपचार के सम्बंध शासन द्वारा जिन-जिन सेवाओं का शुल्क निर्धारण किया गया है, उसी के अनुरूप ही शुल्क लिये जाएं। कोविड जैसे तनाव के समय पर जन सहयोग करते हुए सेवाओं को सुचारू रखने की कोशिश सबको करना चाहिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने मरीजों की भर्ती सम्बन्धी जानकारी रजिस्टर पर पंजीबध्द करने, कोविड गाइड लाइन का पालन करने, मरीज को डिस्चार्ज करते वक्त समस्त विवरण सहित बिल देने, किसी कोविड संक्रमित मरीज के मृत्यु होने पर तत्काल इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देने, डेली ऑन लाइन रिपोर्टिंग करने,रेमडीसीवीर इंजेक्शन की आवश्यकता जिन मरीजों को पड़ रही है उनके नाम डिस्प्ले करने व निर्धारित शुल्क पर इलाज करने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी के समय में शासकीय अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी मरीजों को इलाज मुहैया हो सके इस उद्देश्य से इच्छुक निजी अस्पतालों को कोविड मरीजों के उपचार की अनुमति प्रदान कर दी है।

इन अस्पतालों को मिली है अनुमति

- स्नेहा क्लिनिक- 30 बिस्तर।
- साई संजीवनी- 35 बिस्तर।
- कवर्धा फ्रेक्चर हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर- 12 बिस्तर।
- कमला हॉस्पिटल- 15 बिस्तर।
- चंद्रायन हेल्थ केयर को 50 बिस्तर की अनुमति दी गई थी, लेकिन वर्तमान में यहां पुनः अनुमति के सम्बंध में विचाराधीन है।

अष्टमी पर अंचल के देवी मंदिरों में हुआ हवन पूजन

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जिले में लॉकडाउन लगाया गया है । जिसका ग्रामीण अंचलों में भी व्यापक असर देखने को मिल रहा है । चैत्र नवरात्रि अष्टमी पर मंगलवार को गांव में मंदिर में विधि विधान से से अग्निकुंड में श्रद्धालुओं ने आहुति डालकर हवन कर माँ शीतला से कोरोना मुक्त करने की प्रार्थना की । वही मंदिर में विरानी छाई हुई है । 4 से 5 सदस्य पूजा अर्चना कर रहे हैं । पूजा अर्चना किया गया । इस बार श्रद्धालुओं ने घर में ही उपवास रखकर माता की आराधना की । इस साल भी की गई लाकडॉउन लगने के कारण इस बार माता के दर्शन करने श्रद्धालु नहीं पहुंचे ।

कोरोना काल में टेबल खरीदी कर पैसे की फिजूलखर्ची का आरोप

स्वास्थ्य एवं बहुउद्देशीय कर्मचारी संघ ने बीएमओ के खिलाफ खोला मोर्चा

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। स्वास्थ्य एवं बहु उद्देशीय कर्मचारी संघ द्वारा गुंडरदेही बीएमओ के खिलाफमोर्चा खोलते हुए कोरोना काल में शासन द्वारा आवंटित राशि के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। कर्मचारियों का कहना है कि इस कोरोना काल में जहां जरूरी मेडिकल उपकरण खरीदा जाना चाहिए वहां पर बीएमओ द्वारा धन की बर्बादी करते हुए टेबल कुर्सी खरीदी की जा रही है जो कि सर्वथा गलत है जो प्राथमिकता है उनकी खरीदी की जानी चाहिए स्वास्थ्य एवं बहु उद्देशीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष घनश्याम पुरी ने पूरे मामले की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालोद को लिखित शिकायत करते हुए बताया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुंडरदेही खंड चिकित्सा अधिकारी को छत्तीसगढ़ शासन से 10 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई है। जिसकी जानकारी संघ को भी मिली है कि कोरोना काल में अनावश्यक टेबल कुर्सियों आदि के कमीशन के खेल में खरीददारी करके शासन की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है जो कि गंभीर विषय है व जांच का विषय है। सीएमएचओ से मांग की गई है कि विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जाए। जिसमें प्रमुख रुप से कहा गया है कि गुंडरदेही सीएससी के कर्मचारी बगैर उचित ठ95 मास्क व सैनिटाइजर व ग्लव्स के कार्य करके मृत्यु के आगोश में समा रहे हैं। 1 हफ्ते पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसीदा के फार्मासिस्ट स्वर्गीय कौशल देशमुख 59 वर्ष की मृत्यु कोरोना से हुई। उसी दिन चंद घंटों पश्चात उनकी पत्नी की भी मृत्यु हो गई। उसके 2 दिन बाद उनके बेटे की भी कोरोना से मौत हो गई। मानो पूरा परिवार कोरोना से समाप्त हो गया। बीएमओ के गैर जिम्मेदारी के कारण ये सब हुआ। स्व कौशल के द्वारा बार-बार अस्पताल को सैनिटाइजिंग करने मास्क व ग्लव्स देने की मांग करते रहे पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे पूरा परिवार समाप्त हो गया। इसकी जवाबदारी बीएमओ व शासन-प्रशासन की है। आज खप्परवाड़ा गांव जहां यह परिवार देशमुख रह रहे थे वहां 42 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए जो भयंकर विकराल रूप में गुंडरदेही ब्लॉक को अपने चपेट में ले सकता है इस ओर बीएमओ का बिल्कुल भी ध्यान नहीं है।

मनेन्द्रगढ़ के जंगलों की आग के लिए वन विभाग के पास कारगर योजना नहीं, महुआ के कारण हो रही तबाही!

- मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के आधा दर्जन से ज्यादा जंगलों में लग चुकी है आग!

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर /मनेन्द्रगढ़। पिछले एक माह से अभी तक मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के आधा दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग लग चुकी है, लेकिन आग पर काबू पाने के लिए वन विभाग के पास कोई कारगर योजना नही दिखाई पड़ रही है। मंगलवार रात्रि को भी मनेन्द्रगढ़ रेंज के सिद्ध बाबा की पहाड़ियों में कई जगहों पर आग लगी हुयी थी। जिले में सबसे ज्यादा वन क्षेत्र वाले मनेन्द्रगढ़ व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में प्रत्येक वर्ष गर्मियों में लगने वाली आग से जितने बड़ी संख्या में पेड़ पौधे जलकर खाक हो जाते हैं। उतनी संख्या में पेड़ पौधे या कहे वन क्षेत्र कई स्थानों में मौजूद भी नही है।मनेन्द्रगढ़ के साथ आस पास के वन विभाग में भी पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण छेत्रो के जंगलों को आग से बचाने के लिए अभी तक कारगर योजना नही बन पायी है। पिछले वर्षो में भी मनेन्द्रगढ़ के तमाम वन छेत्रों के अंतर्गत आने वाले जंगलों के साथ ही राष्ट्रीय उद्यान में लगी आग से दर्जनों हेक्टेयर से ज्यादा जंगल जलकर खाक हो गये थे वही इस वर्ष भी काफी नुकसान होने की संभावना हैं जबकि तापमान वृद्धि के साथ जंगलों में आग लगने की संभावना बढ़ते जा रही है। जबकि अभी अप्रैल,मई और जून का महीना बचा हुआ है। हवाएं तेज होने के साथ पेड़ों में होने वाला घर्षण काफी ज्यादा हो गया है। खासकर पतझड़ से एकत्रित खर पतवार आग को आगे बढ़ने में सबसे ज्यादा मदद कर रहे है।

आग लगने के कारण दुर्लभ वनस्पतियों के साथ वन्य जीवों को भी नुक्सान – अक्सर महुआ के लिए ग्रामीणों द्वारा सफाई के लिए लगाने वाली आग ही भयावह रूप धारण कर लेती है। आग लगने के कारण दुर्लभ वनस्पतियों के साथ वन्य जीवों को भी नुक्सान पंहुचता है। महुआ को वन्यजीवों से बचाने के लिए भी आग लगाई जाती है। वही अधिकारी के छेत्र में सही मॉनिटरिंग नही करने से हर वर्ष वनों को काफी नुकसान पहुँचता हैं जरूरत हैं वनों की सतत निगरानी की ताकि भविष्य में इसे बचाने कोई ठोस योजना बनाई जा सके ।

बहरहाल जब इस संबंध में छेत्र के प्रभारी जिम्मेदार अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन उठाना उचित नही समझा जिस कारण उनका पक्ष नही रखा जा सका ।

महुआ ने बढ़ाई समस्या

पिछले कई दशकों से मनेन्द्रगढ़ वन विभाग के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ व कुवारपुर के जंगलों के लिए महुआ के फूल गिरने के दिन सबसे ज्यादा मुसीबत बनते हैं। वन विभाग के सभी रेंज महुआ बाहुल्य हैं। महुआ बीनने के लिए लगाई गयी आग ही सबसे ज्यादा नुक्सान पहुंचा रही है। पिछले एक महीने के दौरान मनेन्द्रगढ़ वन विभाग के सभी रेंजों की पहाड़ी में आग लग चुकी है। इस सभी जगहों पर महुआ बीनने के लिए लगाई गयी आग के कारण ही जंगलों तक आग पहुंची। रेंज की कई पहाडियों पर महुआ के बहुतायत की वजह से आग की संभावना प्रत्येक वर्ष बन जाती है।